रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, शुक्रवार 24 जनवरी 2025, वर्ष 10, अंक 371 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

ED ने '900 केस निपटाने वाले' 3 वकीलों को कर लिया अरेस्ट

पटना/नई दिल्लीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को बताया कि एजेंसी ने पटना में रेलवे दावा न्यायाधिकरण द्वारा स्वीकृत मुआवजे की कथित हेराफेरी से जुड़े धन शोधन के मामले में तीन अधिवक्ताओं को गिरफ्तार किया है। ईडी ने एक बयान में बताया कि एजेंसी ने हाल ही में बिहार के पटना और नालंदा तथा कर्नाटक के मंगलुरु में न्यायाधीश आर के मित्तल और कुछ वकीलों से संबंधित चार ठिकानों पर छापेमारी की।

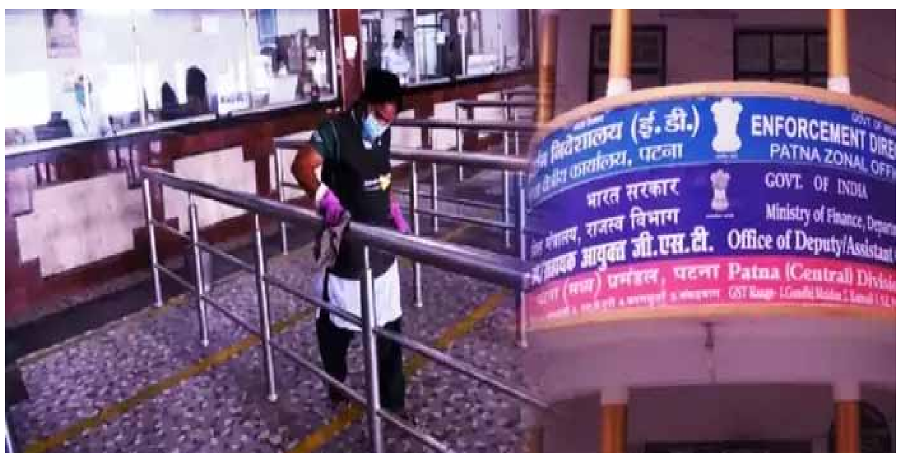

रेलवे क्लेम घोटाले में बड़ी कार्रवाई एजेंसी के मुताबिक, इस 'घोटाले' से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए बुधवार को तीन वकीलों विद्यानंद सिंह, परमानंद सिन्हा और विजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने बताया कि तीनों को पटना में एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी ने बताया कि उसका मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

ईडी ने तीन वकीलों को किया गिरफ्तार प्राथमिकी में पटना में रेलवे दावा न्यायाधिकरण द्वारा दायर, जांच और तय किए गए मृत्यु दावा मामलों में 'बड़े पैमाने पर' अनियमितता और आपराधिकता का आरोप लगाया गया है। ईडी ने आरोप लगाया कि रेलवे से जुड़े दुर्घटनावश मृत्यु दावा मामलों में दावेदारों को दी गई निर्धारित राशि का केवल एक हिस्सा ही उन्हें मिला और एक बड़ा हिस्सा साजिशकर्ताओं ने हड़प लिया।

वकीलों ने 900 मामलों को निपटाया था- ED ईडी के मुताबिक, 'विद्यानंद सिंह और उनके वकीलों की टीम ने लगभग 900 मामलों को निपटाया, जहां न्यायाधीश आर के मित्तल द्वारा निष्पादन आदेश जारी किए गए और दावेदारों को लगभग 50 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। इस टीम में परमानंद सिन्हा और विजय कुमार शामिल थे।'

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पटना में रेलवे दावा न्यायाधिकरण द्वारा स्वीकृत मुआवजे की हेराफेरी से जुड़े धन शोधन मामले में तीन वकीलों को गिरफ्तार किया है। विद्यानंद सिंह, परमानंद सिन्हा और विजय कुमार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। आरोप है कि दुर्घटनावश मृत्यु दावा मामलों में दावेदारों को कम मुआवजा मिला, जबकि साजिशकर्ताओं ने बड़ा हिस्सा हड़प लिया।

साहस, शौर्य और पराक्रम के लिये नवाजे जायेंगे अधिकारी

रांचीः IPS एवी होमकर, अनूप बिरथरे, प्रभात कुमार और अंजनी झा महित सात IPS अधिकारियों को नवाजा जायेगा। इनके अलावा 44 पुलिस पदाधिकारी भी नवाजे जायेंगे। इनमें से 23 पुलिस अधिकारी और पदाधिकारियों को सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक दिया जायेगा। वहीं, छह पदाधिकारीयों और कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक और 15 पुलिस अधिकारीयों और पदाधिकारियों को केंद्रीय गृह मंत्री विशिष्ट ऑपरेशन पदक दिया जायेगा। सभी अफसरों को आगाममी 26 जनवरी को सम्मानित किया जायेगा। झारखंड के गवर्नर संतोष गंगवार के हाथों सभी नवाजे जायेंगे।

23 लोगों को मिलेगा सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक

आईपीएस प्रभात कुमार	परवेज आलम	पुलिस पदक	आईपीएस अंजनी झा
आईपीएस एवी होमकर	एतवा उरांव	जितेंद्र कुमार	आईपीएस शिवानी तिवारी
सुरेंद्र कुमार सिंह	जीवन ज्योतिष तिर्की	सुधीर कुमार	आईपीएस अंजनी अंजन
मनोरंजन कुमार सिंह	संतोष कुमार	शैलेंद्र कुमार सिंह	एएसपी विवेकानंद सिंह
हेमंत कुमार बैठा	भीमलाल महतो	मनोज कुमार	गौतम कुमार
सिकंदर राय	तारामणि टेटे	कुंदन कुमार	जमील अंसारी
जलहा उरांव	चक्रधर कुमार महतो	नितेश कुमार सिंह	मनोहर राम
नाजीर हुसैन	सिल्वेस्टर केरकेट्टा	15 लोगों को मिलेगा केंद्रीय गृह	राजकुमार उरांव
जीतलाल नायक	कविता विवेक	मंत्री विशिष्ट ऑपरेशन पदक	रतन कुमार यादव
रविंद्र कुमार सिंह	राम बहादुर	आईपीएस एवी होमकर	कमलेश कुमार
सचिन सुब्बा	अनिल कुमार दास	आईपीएस राज कुमार लकड़ा	सत्येंद्र कुमार सिंह
राजू सिंह छेत्री	6 लोगों को मिलेगा वीरता के लिए	आईपीएस अनूप बिरथरे	विष्णु शंकर

एक नजर

बिहार में पश्चिमी चंपारण के DEO के घर ताबड़तोड़ छापामारी, करोड़ों रुपये कैश बरामद

पश्चिमी चंपारण के डीईओ रजनीकांत प्रवीण के घर पर निगरानी टीम ने छापामारी की है। अवैध संपत्ति अर्जित करने की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई है। करोड़ों रुपये कैश बरामद किया गया है।

26 जनवरी को मोरहाबादी मैदान में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण हेतु आमंत्रण

रांची। प्रमंडलीय आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर, अंजनी कुमार मिश्र एवं उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री ने संयुक्त रूप से राज्यपाल झारखण्ड, संतोष गंगवार को 26 जनवरी को मोरहाबादी मैदान में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण हेतु आमंत्रण दिया।

14 राज्यों में कोहरे का अलर्टःकल कोहरे से कोलकाता में 72, गुवाहाटी में 18 फ्लाइट्स लेट रहीं

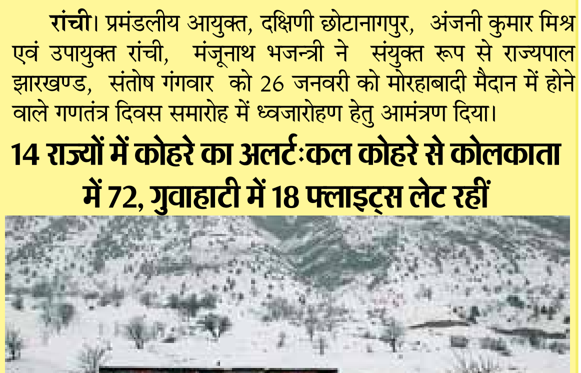

नई दिल्ली मौसम विभाग ने शुक्रवार को 14 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। बीते दिन कोहरे की वजह से कोलकाता इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 72 फ्लाइट्स का ऑपरेशन प्रभावित रहा।

प्रयागराज महाकुंभ छोड़ घर गई मोनालिसा, एक्स पर ट्रेन से लोगों के लिए किया भावुक वीडियो पोस्ट

इंदौर की एक माला बेचने वाली लड़की कुंभ मेले में प्रसिद्ध हो गई। इसके बाद कुछ लोगों ने उन्हें परेशान किया। वे वीडियो में कहती हैं कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए इंदौर वापस जाना होगा। उन्होंने कहा कि संभव हुआ तो वे अगले कुंभ मेले में वापस आएंगी।

प्रयागराजः *महाकुंभ मेला में रातोंरात कई लोग फेमस हो गए। इन्हीं में से एक मध्य प्रदेश के महेश्वर की मोनालिसा भोंसले भी हैं, जोकि रुद्राक्ष की माला बेचने के लिए प्रयागराज महाकुंभ आईं और रातोंरात वायरल हो गईं, लेकिन मोनालिसा की सादगी और उनकी नीली आंखों की खूबसूरती अब उनके लिए मुसीबत बन गई है। मोनालिसा के साथ फोटो खिंचाने और वीडियो बनाने के लिए लोग पीछे पड़े हुए हैं। बेटी मोनालिसा पर खतरा बढ़ता देख परिवार ने महाकुंभ छोड़ने का फैसला किया। गुरुवार को मोनालिसा अपने परिवार के साथ ट्रेन से मध्य प्रदेश के महेश्वर लौट गईं। महाकुंभ में लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए मोनालिसा ने बड़े भावुक मन से विदा लिया। मोनालिसा ने अपने चाहने वालों के लिए ट्रेन से एक भावुक वीडियो अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। वीडियो में मोनालिसा कह रही हैं कि मुझे अपने परिवार और अपनी सुरक्षा के लिए इंदौर वापस जाना होगा। अगर हो सकेगा तो मैं अगले महाकुंभ के लिए वापस आऊंगी। मुझे ऐसे ही प्यार करते रहना। सभी के सहयोग और प्यार के लिए दिल से धन्यवाद। वीडियो को लाइक और शेयर करते रहना। हाल ही में मोनालिसा का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उनके परिवार वाले उनको भीड़ से बचाने के लिए शॉल और कंबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि परिवार के लोग उनको सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में मोनालिसा के मन के अंदर डर भर गया, जिस कारण परिवार और मोनालिसा ने महाकुंभ छोड़ने का फैसला किया। मोनालिसा अब महाकुंभ से जा चुकी है। मध्य प्रदेश के महेश्वर की रहने वाली मोनालिसा भोंसले माला बेचने के लिए प्रयागराज महाकुंभ आईं।*

मोटा अनाज की क्रांति आने वाले भविष्य की जरूरतः कृषि मंत्री

बेंगलुरु में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में शामिल हुई कृषि मंत्री

रांचीः *जैविक खेती और श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक सरकार का 23 से 25 जनवरी तक बेंगलुरु में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का आज उदघाटन हुआ . इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार , झारखंड की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सहित देश भर के कई गणमान्य उपस्थित थे . अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में झारखंड के स्टॉल का उदघाटन कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया . इस मौके पर विभागीय सचिव अबुबकर सिद्दीकी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे . उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए झारखंड की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस वृहद आयोजन के लिए कर्नाटक सरकार की सराहना की . उन्होंने कहा कि झारखंड और कर्नाटक के बीच कई तरह की समानताएं है . खासकर मिलेट की बात करे तो दोनों राज्य में ये समान रूप से देखने को मिलेगा . पौराणिक काल से झारखंड और कर्नाटक में मिलेट के उत्पाद और उपयोग की परपंरा रही है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ये गर्व की बात है कि अभी भी आदिवासी समाज मिलेट की खेती से जुड़े है . इसके साथ ही मुझे इस बात का गर्व है कि मैं आदिवासी समाज के उरांव जाति से आती हूं . मिलेट हमारे भोजन का मुख्य अनाज है . मिलेट को एक समय में गरीबों का भोजन कहा जाता था . आज लोगों इसकी जानकारी भी ले रहे है और इसे बड़े चाव से खा भी रहे है . पूरे देश में झारखंड और कर्नाटक ऐसे दो राज्य है जो मिलेट का उपयोग कर रहे है . बदलते समय में चावल और गेहूं को भी मुख्य आहार के रूप में लोगों ने अपनाया है . वैसे हमारे स्वास्थ्य और मौसम के लिहाज से मोटा अनाज जायदा फायदेमंद है . इसको आसानी से लगाया जा सकता है . चावल और गेहूं की तुलना में अब देश की सरकारों मोटा अनाज को बढ़ा देने में जुटी है . मोटा अनाज की क्रांति हमारे आने वाले भविष्य के लिए जरूरी है . झारखंड और कर्नाटक मिल कर ऐसे किसानों को सहयोग कर सकती है जो मोटा अनाज के फसल से जुड़े है . झारखंड में मिलेट पॉलिसी के तहत किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है . मोटा अनाज के लिए बाजार मुहैया कराने में ये नीति कारगर साबित होगी . . झारखंड मिलेट मिशन के तहत किसानों को 3 हजार रुपया प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है .*

काम करेंगे तो आलोचना होगी ही...पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने दबाव से लेकर हर चीज पर खोले राज

पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एनबीटी के ऑफिस में अपने कार्यकाल के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने विधायिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन, फैसलों पर दबाव, सोशल मीडिया की भूमिका, जजों की स्वतन्त्रता, और अपने पिता की विरासत के दबाव पर चर्चा की। रिटायरमेंट के बाद की योजनाओं पर भी बातचीत की।

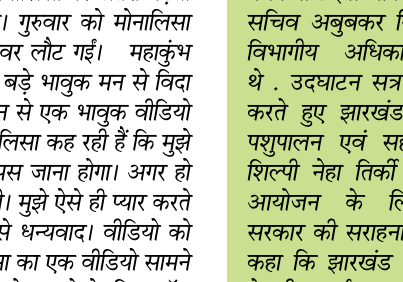

नई दिल्लीः देश के चीफ जस्टिस पद पर रहते हुए लोगों की अपेक्षाओं और सोशल मीडिया के दबाव के बीच तमाम बड़े फैसले देना निश्चित रूप से अहम जिम्मेदारी है और इसे बखूबी निभाया था पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने। जस्टिस चंद्रचूड़ गुरुवार को एनबीटी के ऑफिस पहुंचे और अपने कार्यकाल के बारे में तमाम सवालों के खुलकर जवाब दिए। पेश है टीम एनबीटी से उनकी बातचीत के मुख्य अंशः अक्सर विधायिका और जूडिशरी के बीच लक्ष्मण रेखा की बात की जाती है। दोनों की अपनी अहमियत है। दोनों को पता होना चाहिए कि उनकी सीमा क्या है। आपके हिसाब से लक्ष्मण रेखा कितनी अहम है? लक्ष्मण रेखा मानना अदालतों की भी जिम्मेदारी है। संवधिान ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट को ये परखने की जिम्मेदारी दी है कि संसद या विधानसभा ने जो कानून बनाया, वह संवैधानिक है या नहीं? यह तो सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट ही तय करेंगे। सरकार ये तय नहीं कर सकती कि उन्होंने जो कानून बनाया है, वह संवैधानिक है या नहीं। लक्ष्मण रेखा का सवाल नीतिगत मामलों में आता है। ऐसे मामले में सुप्रीम कोर्ट को थोड़ा सतर्क रहना ही चाहिए। नीतिगत फैसलों में तो कोर्ट नहीं घुस सकता। मान लें एफडीआई का मसला है। ये सरकार की जिम्मेदारी है, हमारी जिम्मेदारी नहीं है। जहां तक केशवानंद भारती जजमेंट का सवाल है तो वह जजमेंट बेहद अहम है। मैं नहीं समझता कि केवल 1973 के इस जजमेंट की वजह से डेमोक्रेसी कायम है, यह लोगों की वजह से भी कायम है। आपको याद होगा की 1975 में जब इंदिरा गांधी पीएम थीं तो उनका इलेक्शन खारिज हो गया था। उन्होंने एक संवैधानिक बदलाव किया कि प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट और प्राइम मिनिस्टर के चुनाव पर विवाद होने पर वह सामान्य ट्रिब्यूनल में नहीं जाएगा। उसके लिए स्पेशल इलेक्शन ट्रिब्यूनल होगा। यानी कोर्ट का जूरिस्डिक्शन ही हटा दिया गया। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चाहे आप प्राइम मिनिस्टर हों, प्रेसिडेंट हों या स्पीकर हों, जो संविधान बाकी मेंबर्स ऑफ पार्लियामेंट के लिए लागू होता है, वो ही आपके लिए भी लागू होना चाहिए।

सुसाइड प्वाइंट बना रांची का धुर्वा डैम, दो युवतियों के शव मिलने से सनसनी, पुलिस ने शुरू की जांच

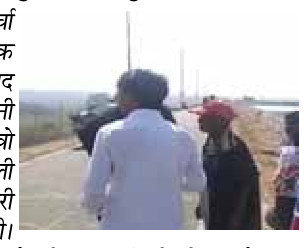

रांचीः *धुर्वा डैम इन दिनों चर्चा में है। बीते 21 जनवरी की सुबह एक युवती का शव धुर्वा डैम से बरामद किया गया। जिसकी पहचान एनी अनुष्का कच्छप के रूप में हुई थी। वो जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। बताया गया है कि 16 जनवरी से युवती अपने घर से लापता थी। उसी शाम उसके डैम से छलांग लगाने की सूचना मिली थी। उसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। एनडीआरएफ को सूचना दी गई थी। वहीं दूसरी ओर गुरुवार की सुबह लोगों को एक अन्य युवती के शव पर नजर पड़ी। युवती की पहचान शाहीन परवीन के रूप में हुई। ये युवती 21 जनवरी को अपने घर से गायब हुई थी। स्थानीय निवासी रंजन यादव ने बताया कि सुबह जानकारी मिली कि एक शव डैम में तैर रहा है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। वही स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। युवती के शव बरामद होने के बाद नगड़ी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तफ्तीश में जुट गई। पुलिस से परिजनों ने बताया कि 21 जनवरी से ही युवती घर से निकल गई थी। मृतक का 3 साल का बच्चा भी है। नगड़ी थाना के एसआई सत्येंद्र नारायण ने बताया कि फिलहाल पुलिस तफ्तीश कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि यह वही युवती हो जिसने डैम में छलांग लगाया था। वही इस मौत के पीछे की वजह की पुलिस तलाश कर रही है।*

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

मुख्यमंत्री को सरना आदिवासी समाज की समस्याओं एवं मांगों का ज्ञापन सौंपा

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय सरना समिति ,भारत के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सरना आदिवासी समाज की समस्याओं एवं मांगो से संबंधित एक ज्ञापन सौंपकर उसके निदान की दिशा में उचित पहल करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हित में सरकार सभी वर्ग तथा समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाज के हर वर्ग और तबके के लोगों को सशक्त और आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है क्योंकि बिना समाज को मजबूत किए राज्य को मजबूत नहीं कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरना आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृति को संरक्षित करने के साथ उनके हक- अधिकार को देने के लिए हमारी सरकार ठोस क्रदम उठा रही है। मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में केंद्रीय सरना समिति, भारत के अध्यक्ष नारायण उरांव, अमर उरांव, राजू मंडल, शिवा कच्छप, प्रदीप तिर्की, सोनू मुंडा, झरी मुंडा, राजेश तिर्की, श्री हेमन्त गाड़ी, चिंतामणि सांगा, सुलोचना खालखो, सावित्री कच्छप, लाली कच्छप, संजना उरांव, मधु तिर्की, प्रीति कच्छप और सायरा कच्छप प्रमुख रूप से शामिल थे।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी एस25 सीरीज स्मार्टफोन

रांचीः सैमसंग ने अपने नवीनतम गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस25+ और गैलेक्सी एस25 स्मार्टफोन को लॉन्च कर दिया, जो सैमसंग के अब तक के सबसे नैचुरल और कॉन्टेक्स्ट-अवेयर मोबाइल अनुभवों के साथ एक वास्तविक एआई सहयोगी के रूप में नए मानक को स्थापित करता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल एक्सपीरिएंस बिजनेस के हेड और प्रेसिडेंट टी एम रो ने कहा कि सबसे बेहतरीन इनोवेशन यूजर्स के अनुभव का प्रतिबिंब होता है और यही वजह है कि हमने गैलेक्सी एआई विकसित किया है ताकि हर कोई अपने डिवाइस के साथ अधिक स्वाभाविक और सहजता से बातचीत कर सके और यह भरोसा रख सके कि उनकी निजता सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि "गैलेक्सी एस25 सीरीज एआई-एकीकृत ओएस की तरफ लेकर जाती है, जो टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के तरीके और हम अपना जीवन कैसे जीते है, को लेकर हमारे नजरिए को बदल देता है। गैलेक्सी एस25 सीरीज वन यूआई 7 के साथ आने वाला पहला स्मार्टफोन है, जो सैमसंग का एआई-फर्स्ट प्लेटफॉर्म है। इसे सबसे सहज नियंत्रण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एआई-संचालित व्यक्तिगत मोबाइल अनुभव को सक्षम बनाता है। मल्टीमॉडल क्षमताओं वाले एआई एजेंट गैलेक्सी एस25 को टेक्स्ट, स्पीच, इमेज और वीडियो को इंटरप्रेट करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बातचीत स्वाभाविक लगती है। गैलेक्सी एस25 नैचुरल लैंग्वेज समझने में भी एक बड़ी सफलता है, जिससे रोजाना की बातचीत आसान हो जाती है। गैलेक्सी एस25 सीरीज संचार, उत्पादकता और रचनात्मकता के लिए गैलेक्सी एआई के लोकप्रिय टूल में कई अपग्रेड लाती है, जिसमें गूगल का सर्किल टू सर्च, कॉल ट्रांसक्रिप्ट, राइटिंग असिस्ट और ड्रॉइंग असिस्ट शामिल है। गैलेक्सी एस25 सीरीज के साथ, आप अगले चरणों के लिए कॉन्टैक्स्ट-अवेयर सुझावों के साथ एक्शनेबल सर्च भी कर सकते हैं। इसके अलावा, गैलेक्सी एस25 क्विक फॉलो-अप के लिए ऐप्स के बीच स्विच करना आसान बनाता है, जिसमें जीआईएफ साझा करना या ईवेंट डिटेल्स को साझा करना शामिल है।

झारखंड चैंबर का संवाद 2 कार्यक्रम का आयोजन जल्द

रांचीः फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से संवाद कार्यक्रम के नये संस्करण के आयोजन की पहल शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने गुरुवार को झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय से मुलाकात कर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया। इस दौरान राज्य की समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की गई। सकारात्मक रूप से संपन्न हुई वार्ता के क्रम में झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय ने चैंबर की ओर से आहूत संवाद-2 कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी। कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने कहा कि जल्द ही संवाद-2 कार्यक्रम की तिथि का निर्धारण किया जायेगा। राज्य में नई सरकार के गठन उपरांत सरकार की भावी योजनाओं पर सकारात्मक चर्चा के साथ ही राज्य के विकासात्मक मुद्दों पर सरकार और स्टेकहोल्डर्स का संयुक्त प्रयास प्रारंभ करने की दिशा में हमारा यह प्रयास सफल साबित होगा। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

श्रम मंत्री संजय यादव से मिला कर्मकार कल्याण बोर्ड के सदस्य

रांचीः झारखंड भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के सदस्यों ने गुरुवार को श्रम मंत्री संजय यादव को उनके आवास पर मिलकर उन्हें अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर उनका हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। इस अवसर पर बोर्ड के सदस्य दीपक कुमार ने बोर्ड से संबंधित जानकारी मंत्री को बताया। उन्होंने आग्रह किया की बोर्ड के सदस्यों के साथ एक बैठक आपकी अध्यक्षता में श्रम विभाग में जल्द से जल्द बुलाई जाए।

आईएएस अधिकारी के बेटे के फर्जी प्रमाण पत्र पर विवादः भाजपा ने उठाए चार बड़े सवाल

रांचीः नगर निगम में एक आईएएस अधिकारी के बेटे के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के मामले ने तूल पकड़ लिया है और शांत होने का नाम नहीं ले रहा। इस मुद्दे को भाजपा ने जोर-शोर से उठाया, जिसके बाद झारखंड सरकार ने एक प्रेस नोट जारी कर अपनी सफाई पेश की है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में इस पूरे मामले पर सरकार से चार महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट किया है कि आईएएस अधिकारी राजीव रंजन के बेटे के एक जन्म प्रमाण पत्र को वैध माना गया है, जबकि अन्य को निरस्त कर दिया गया है। इस पर पहला सवाल यह है कि रांची नगर निगम ने तीन में से किस प्रमाण पत्र को वैध ठहराया और किन्हें रद्द किया? साथ ही, यह निर्णय किस आधार पर लिया गया कि कौन सा प्रमाण पत्र असली है और कौन सा फर्जी?

दूसरा सवाल यह उठता है कि जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते समय एक शपथ पत्र देना अनिवार्य होता है। यदि फर्जी शपथ पत्र दिया गया था, तो क्या नगर निगम ने संबंधित आईएएस अधिकारी के खिलाफ फर्जीवाड़े का मामला दर्ज किया है? तीसरा सवाल है कि नगर निगम के उस अधिकारी पर क्या कार्रवाई की गई जिसने तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र जारी किए और उन्हें सत्यापित किया? चौथा और अंतिम सवाल यह है कि जिस ऊंचे पद पर संबंधित आईएएस अधिकारी वर्तमान में कार्यरत हैं, उनके खिलाफ विभागीय स्तर पर कौन सी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है? क्या ऐसे अधिकारी के भरोसे झारखंड का पूरा वित्त विभाग चलाया जाएगा? अजय साह ने आगे कहा कि झारखंड में "कानून के राज" का खुलेआम मजाक उड़ाया जा रहा है। आम जनता और बड़े अधिकारियों के लिए अलग-अलग कानून लागू किए जा रहे हैं। यदि ऐसा फर्जीवाड़ा किसी सामान्य व्यक्ति ने किया होता, तो नगर निगम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करता। लेकिन चूंकि यह मामला एक बड़े अधिकारी से जुड़ा है, इसलिए निगम का रवैया नरम दिखाई दे रहा है। उन्होंने इस पूरे मामले को गंभीरता से जांचने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

श्री साह ने एसएसएस सीजीएल परीक्षा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पूरी प्रक्रिया एक बड़ा धोखा और फर्जीवाड़ा है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि यदि किसी भाजपा नेता की इसमें संलिप्तता है, तो ठोस सबूत पेश किए जाएं, न कि मनगढ़ंत आरोप लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि जेएमएम के अनुसार छात्रों के साथ खड़े होना उन्हें गुमराह करना माना जाता है, तो भाजपा इस तरह का "गुमराह" अगले पांच साल तक करती रहेगी।

सिंगल विंडो सिस्टम झारखण्ड में कारगर नहींः चैंबर

रांचीः झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उद्योग उप समिति की बैठक गुरुवार को चैम्बर भवन में संपन्न हुई। सदस्यों ने सिंगल विंडो सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ ही नियमित रूप से इसके समीक्षा की बात कही। चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि व्यवस्था ऐसी हो, कि आवेदक को स्वतः इसकी जानकारी मिले कि उनका आवेदन कहां पेंडिंग है। यदि सिंगल विंडो रेगुलराइज हो जाय तो 80 फीसदी समस्याएं स्वतः खत्म हो जायेंगी और हम समस्याओं से उठकर डेवलपमेंट की पहल कर पायेंगे।

विभिन्न सेक्टर के कार्य में संग्लन उद्यमियों से फीडबैक लेकर सरकार को अवगत कराने पर भी सदस्यों ने चर्चा की। कहा गया कि उद्यमियों की कठिनाइयों का त्वरित समाधान होने से राज्य में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में बननेवाली पॉलिसी को उपयुक्त बताते हुए उद्यमियों ने पालिसी के क्रियान्वयन में होनेवाली कठिनाइयों पर चिंता जताई। यह कहा कि समयपूर्वक पॉलिसी का क्रियान्वयन नहीं होने से इसका नुकसान सरकार के राजस्व और रोजगार सृजन पर पड़ता है।

उद्योग उप समिति चेयरमैन बिनोद अग्रवाल ने कहा कि झारखण्ड में नए निवेश का प्रोत्साहन तभी सम्भव होगा जब यहाँ पहले से स्थापित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाय। यदि स्थानीय उद्यमियों को सरकार का संरक्षण मिले तब पुराने उद्यमित ही राज्य में नया उद्योग लगाने के लिए स्वतः आगे आएंगे। चर्चाओं के क्रम में जल्द ही इस मुद्दे पर सरकार को ज्ञापन सौंपने की सहमति बनाई गई।

सदस्यों द्वारा यह भी कहा गया कि उद्योग विभाग के संपूर्ण कार्य ऑनलाइन होने चाहिए। सिंगल विंडो सिस्टम का संचालन मुख्य सचिव या विकास आयुक्त द्वारा किया जाना चाहिए न कि किसी निचले स्तर के अधिकारी द्वारा। जियाडा के सभी पद 3 वर्षों के भीतर हस्तांतरणीय होने चाहिए चैम्बर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधित्व से राज्य में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन भी जरुरी है।

बैठक में चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, अमित शर्मा, आस्था किरण, उप समिति चेयरमैन बिनोद अग्रवाल एवं अजय भंडारी, सदस्य विष्णु अग्रवाल, अमन चौरसिया, अरुण छावछरिया, प्रमोद सारस्वत, बिनोद तुलस्यान, सुरेश अग्रवाल, मनीष पियूष, आदित्य कुमार, रमेश साहू, राजीव प्रकाश चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे | उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

मॉडल आवासीय स्कूल को सोपारम में बनी नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने का विरोध, अभिभावक बोले-बच्चों को यहीं पढ़ने दें या एसएलसी दें

8वीं बोर्ड की परीक्षा छोड़कर स्कूल के बच्चों ने किया विरोध मोर्च

चान्हो : प्रखंड के मिडिल स्कूल सॉस में चल रहे मॉडल आवासीय स्कूल के बच्चों को सोपारम स्थित नवनिर्मित बिल्डिंग बिल्डिंग में शिफ्ट करने के आदेश के खिलाफ विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बुधवार को स्कूल परिसर से प्रखंड मुख्यालय तक विरोध मार्च किया। हवीं बोर्ड की परीक्षा छोड़कर बच्चे हाथों में तख्तियां लिए स्कूल ड्रेस में पैदल ही प्रखंड मुख्यालय पहुंचे और बीडीओ वरुण कुमार, बीईईओ तर्शिला केरकेट्टा और बीपीओ मो. इम्तियाज को अपनी समस्या से अवगत कराया। अभिभावकों ने कहा कि किसी भी स्थिति हम अपने बच्चों को सोपारम नहीं भेजेंगे। हमारे बच्चों को सॉस के मिडिल स्कूल में ही पढ़ने दें या स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट दें। जिससे हम अपने बच्चों को दूसरी जगह पढ़ा सकें। मौके पर ही बीईईओ तशिंला केरकेट्टा ने रांची डीईओ से फोन पर बात कर उन्हें अभिभावकों की समस्या से अवगत कराया। जिसके बाद डीईओ ने मौखिक आदेश दिया कि फिलहाल सोस में ही मॉडल स्कूल का संचालन होगा। इसके बाद बच्चे और अभिभावक घर लौटे। इस बीच बच्चों ने बताया कि विरोध मार्च के कारण बुधवार को ४वीं बोर्ड की टेस्ट परीक्षा भी नहीं दे सके। गौरतलब है कि 22 जनवरी से मॉडल स्कूल को सोपारम स्थित नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित करने का विभागीय आदेश निर्गत हुआ था। जिसके बाद से अभिभावक विरोध जताते हुए प्रखंड से लेकर जिले तक के उच्चाधिकारियों को आवेदन दे चुके हैं।

प्रखंड मुख्यालय से 16 किमी दूर है स्कूल की नई बिल्डिंग

चान्हो का मॉडल स्कूल सोस मिडिल स्कूल में 2012 से संचालित हो रहा है। वर्तमान में स्कूल में 103 बच्चे नामांकित हैं। अभी मॉडल स्कूल की नई बिल्डिंग सोपारम में बनकर तैयार है। इसकी दूरी प्रखंड मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर है। अभिभावकों का कहना है कि नई बिल्डिंग सुदूर इलाके में है। वहां तक जाने के लिए आवागमन की कोई सुविधा नहीं है। इसलिए हमलोग वहां बच्चों को नहीं भेजेंगे। वहीं विभाग हर हाल में स्कूल को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने में लगा है।

रांची में सुबह-सुबह ठांय-ठांय, मॉर्निंग वॉक पर निकले मुखिया को मार दी गोली

रांची : राजधानी रांची के नामकुम से बड़ी खबर है, जहां मॉर्निंग वॉक पर निकले हाहाप पंचायत के मुखिया नन्हे कच्छप को अपराधियों ने गोली मार दी। घायल नन्हे कच्छप को गंभीर हालत में मेडिका में भर्ती कराया गया है। फायरिंग की यह वारदात आज 23 जनवरी की सुबह करीब 6:30 बजे चरनाबेड़ा गांव में हुई है। घर से करीब एक किलोमीटर की दूरी घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए।

एसपी-डीएसपी पहुंचे घटनास्थल गोलीबारी के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। गंभीर रूप से घायल मुखिया को रिम्स अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी, डीएसपी मुख्यालय-1 और नामकुम के थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए।

जमीन विवाद में गोली मारने की आशंका

मुखिया को किस वजह से गोली मारी गई है, इसका पता नहीं चला है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि जमीन विवाद में मुखिया को गोली मारी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मुखिया नन्हे कच्छप के परिजन और स्थानीय लोगों से पुलिस जानकारी ले रही है।

होंडा मोटरसाइकिल ने लॉन्च किया नया 2025 एक्टिवा

रांची : होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज भारत के सबसे लोकप्रिय स्कूटर एक्टिवा का नया OBD2B-अनुपालन संस्करण लॉन्च किया, जो तकनीक, सुविधा और स्थिरता के अगले स्तर तक पहुंचाता है। नए फीचर्स से लैस यह अपडेटेड एक्टिवा ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। नई 2025 होंडा एक्टिवा की कीमतें 80,950 रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती हैं।नए एक्टिवा को पेश करते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेजिडेंट एंड सीईओ, श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, "एक्टिवा हमेशा से भारतीय ग्राहकों के लिए मोबिलिटी को फिर से परिभाषित करने में अग्रणी रहा है। अपने नवीनतम 2025 संस्करण के साथ, यह नवाचार, सुविधा और विश्वसनीयता का आदर्श मिश्रण बना हुआ है, जिसने इसे भारत का सबसे पसंदीदा स्कूटर बनाया है। TFT डिस्प्ले के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और OBD2B-अनुपालन इंजन का समावेश तकनीक और स्थिरता के मामले में आगे रहने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें विश्वास है कि नया एक्टिवा न केवल हमारे ग्राहकों के राइडिंग अनुभव को बेहतर बनाएगा बल्कि भारतीय स्कूटर बाजार में होंडा की अग्रणी स्थिति को और मजबूत करेगा। नए एक्टिवा को पेश करते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग योगेश माथुर ने कहा, "एक्टिवा सिर्फ एक स्कूटर नहीं है, यह भारत भर में करोड़ों परिवारों का एक विश्वसनीय साथी है और अपने टैगलाइन 'स्कूटर बोले तो एक्टिवा' के प्रति सच्चा है।

महाप्रसाद रसोई में अदाणी परिवार की सास-बहू का दिखा अद्भुत रूप

रांचीः प्रयागराज के महाकुंभ के भव्य आयोजन में सेक्टर 19 स्थित इस्कॉन पंडाल में 21 जनवरी 2024 को एक अलग ही दृश्य देखने को मिला। इस्कॉन के विशाल रसोईघर में हाथों से मटर की फलियां छीलती डॉ. प्रीति अदाणी अपनी बहू और नन्ही पोती के साथ बैठी थीं। सबका मनमोह गई सास-बहू की जोड़ी। इस सबके बीच उनकी पोती भी गोद में बैठ कर मटर छीलने की कोशिश करती दिखी। अपनी मां, पत्नी और बेटी को पास ही खड़े गौतम अदाणी के बेटे करण अदाणी भी तल्लीनता से देख रहे थे। वहां पहुंचते ही सास-बहू की जोड़ी जमीन पर बैठ गई और रोटियों पर घी लगाने का काम करने लगी। रोटी मेकिंग मशीन से रोटी बन कर जैसे ही बाहर आती डॉ. प्रीति अदाणी और परिधि अदाणी फौरन उन रोटियों में घी लगा कर श्रृद्धालों को परोसने के लिए आगे बढ़ा देते। सादगी, सेवा और संस्कृति—तीनों का यह सुंदर संगम कुंभनगरी में अपनी एक अलग पहचान छोड़ गया।

21 जनवरी 2025 को गौतम अदाणी सपरिवार महाकुंभ स्थल प्रयागराज आए हुए थे। इस मौके पर उन्होंने इस्कान में प्रसाद सेवा, पवित्र संगम में स्नान एवं पूजा-अर्चना और बड़े हनुमान जी के दर्शन किए। बता दें कि महाकुंभ के मौके पर अदाणी समहू ने इस्कॉन के साथ मिलकर प्रतिदिन 1 लाख लोगों में महाप्रसाद वितरण और गीता प्रेस के साथ मिलकर 1 करोड़ आरती संग्रह वितरण का संकल्प लिया है।

सीएम हेमन्त सोरेन ने सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर किया नमन, दी श्रद्धांजलि

रांचीः महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 128 वीं जयंती पर आज उन्हें पूरा राष्ट्र नमन कर रहा है। यह दिवस "पराक्रम दिवस" के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राजधानी रांची के नेताजी सुभाष चंद्र बोस उद्यान स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यह दिन हम सभी के लिए ऐतिहासिक है। हमें इस बात का गर्व है कि हमारे बीच एक ऐसी विभूति एवं पराक्रमी पैदा हुए, जिन्होंने इस देश की आजादी की लड़ाई को नई ताकत दी थी। झारखंड, बिहार, बंगाल तथा उड़ीसा से नेताजी का खासा रिश्ता रहा है। यहां के कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां से उनकी कई यादें जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी के विचार और आदर्श आज भी लोगों की आवाज, आत्मविश्वास और ताकत को बढ़ाने का कार्य कर रही है । जब तक यह देश रहेगा, नेताजी का नाम अमर रहेगा। नेताजी को शत-शत नमन।

बेंगलुरु में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में शामिल हुई कृषि मंत्री शिल्पी, कहा- मोटा अनाज की क्रांति आने वाले भविष्य की जरूरत

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बेंगलुरु में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के उद्घाटन समारोह में मोटा अनाज की क्रांति को भविष्य की जरूरत बताते हुए इसके महत्व पर जोर दिया। यह मेला 23 से 25 जनवरी के बीच आयोजित हो रहा है। जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार भी उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में मंत्री तिर्की ने कहा झारखंड और कर्नाटक के बीच कई समानताएं हैं, खासकर मिलेट के संदर्भ में। पौराणिक काल से दोनों राज्यों में मिलेट का उत्पादन और उपयोग की परंपरा रही है। यह गर्व की बात है कि आदिवासी समाज अब भी मिलेट की खेती से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मोटा अनाज न सिर्फ सस्ता और आसानी से उगाने योग्य है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी लाभकारी है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि गुमला में मडुआ की खेती पर हावर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा केस स्टडी की जा रही है। जो इस बात को दर्शाता है कि मोटा अनाज की खेती कुपोषण के खिलाफ एक प्रभावी उपाय साबित हो रही है। मंत्री ने इस मुहिम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की आवश्यकता की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। मन्त्रालय के इस प्रयास से न केवल किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा। बल्कि मोटा अनाज का उपयोग भी बढ़ेगा जो आने वाले भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ड्यूटी के लिए रांची जेल जा रहे 2 सुरक्षाकर्मी को तेज रफ्तार कार ने कुचला, 1 की मौत

रांची : में रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला है। खेलगांव ओपी क्षेत्र के बाबा चौक के पास एक तेज रफ्तार कार ने रांची जेल के 2 सुरक्षाकर्मियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक सुरक्षाकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सुरक्षाकर्मी का इलाज अस्पताल में जारी है।

ड्यूटी जाते समय हुआ हादसाजानकारी के मुताबिक दोनों जेलकर्मी बाइक से ड्यूटी के लिए रांची जेल जा रहे थे। जैसे ही वे बाबा चौक पहुंचे, पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में 49 वर्षीय समीर कुमार राय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथी चंद्रदेव गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए।

सुभाष चंद्र बोस जी की 128 वीं जयंती पर उपायुक्त रांची ने श्रद्धांजलि अर्पित किया

रांची। उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री ने स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 128 वीं जयंती पर रांची के नेताजी सुभाष चंद्र बोस उद्यान स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा की नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद करेगा। देश के लिए उनका योगदान अनुकरणीय है। देश को आजादी दिलाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है, जिसे देश युगों-युगों तक यदा करेगा।

झारखंड छात्र परिषद के द्वारा सुभाषचंद्र बोस जी के जयंती समारोह को ज्योति पब्लिक स्कूल बड़ा तालाब राँची में मनाया गया

रांची। झारखंड छात्र परिषद के द्वारा सुभाषचंद्र बोस जी के जयंती समारोह को ज्योति पब्लिक स्कूल बड़ा तालाब राँची में मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता लंकेश सिंह ने की एवं संचालन मनीष कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर झारखण्ड छात्र परिषद के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा मुख्यरूप से उपस्थित थे ।श्री मिश्रा ने सुभाषचंद्र बोस की प्रतिछाया पे पुष्प अर्पित किया । राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि सुभाषचंद्र बोस जी के विचारों को जन जन तक पहुँचाए एवं उनके बताए मार्ग पर चले । राजीव मिश्रा ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस जो नेता जी के नाम से भी जाने जाते हैं, भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा, बन गया है। इस अवसर पर गोपाल पारीक ,राहुल सिन्हा चंकी , वेणु गोपाल , रंजीत चौरसिया , इंदर सिंह , अविनाश आनंद , प्रकाश पाल , छोटू सिंह , अमित मिश्रा , रवि , ज्योति साहू , मनीष कुमार सहित सैकड़ों सदस्य शामिल थे।

अवैध अफीम की खेती को ट्रैक्टर चलाकर विनिष्ट किया गया

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र के ग्राम-करगे में 21 एकड़, अड़की थाना क्षेत्र के ग्राम-दुंदुपीरी में 20 एकड़,मुरहू थाना क्षेत्र के ग्राम-टीनगरिया में 17 एकड़,मरांगहादा थाना क्षेत्र के ग्राम-लानदुप में 18 एकड़ एवं सोयको थाना क्षेत्र के ग्राम-कुदाहातु के आस पास क्षेत्रों में करीब 20 एकड़ कुल 96 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को ट्रैक्टर चलाकर विनिष्ट किया गया।

झारखंड में IAS पूजा सिंघल का निलंबन वापस होने पर रविशंकर प्रसाद ने उठाए सवाल जवाब

रांची में झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को निलंबन मुक्त करने पर राजनीति भड़की है। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने इंडिया गठबंधन की सरकारों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और राहुल गांधी से जवाब मांगा। पूजा सिंघल को भ्रष्टाचार के आरोप में 28 महीने जेल में बिताने के बाद बहाल कर दिया गया है।

रांचीः झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को निलंबन मुक्त किए जाने के फैसले ने राजनीतिक सरगर्मियों को बढ़ा दिया है। बीजेपी ने इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन और झारखंड सरकार पर तीखा हमला किया है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'इंडिया गठबंधन के नेता बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन उनकी सरकारों का भ्रष्टाचार एक शर्मनाक स्तर पर पहुंच चुका है। पूजा सिंघल को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते गिरफ्तार किया गया था। उनके सीए से 16 करोड़ रुपये और पीएमएलए अधिकारियों ने 36 करोड़ रुपये नकद जब्त किए थे। 28 महीनों की जेल के बाद दिसंबर में उन्हें जमानत मिली और अब 21 जनवरी को उनका निलंबन रद्द कर उन्हें बहाल कर दिया गया। यह बेहद चौंकाने वाला और निंदनीय कदम है।'

रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर निशाना रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को घेरते हुए कहा, 'झारखंड सरकार में कांग्रेस का अहम योगदान है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी पूजा सिंघल की बहाली पर कांग्रेस की क्या भूमिका है? राहुल गांधी जो हमेशा संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें जवाब देना चाहिए। यह भ्रष्टाचार का खुला समर्थन नहीं तो और क्या है?' 'दिल्ली की जनता समझ चुकी है' ने कहा, 'चुनाव आते ही विपक्ष शोर मचाता है, लेकिन उनकी आपसी मिलीभगत जनता समझ चुकी है। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल दोनों ही भाजपा को हराना चाहते हैं, लेकिन जनता उनकी सच्चाई जान चुकी है। दिल्ली चुनावों में जनता इस गठजोड़ को सबक सिखाएगी।' उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, 'राहुल गांधी को अगर चुनावी रैलियों में उतरना है, तो उन्हें केजरीवाल पर सवाल उठाने होंगे। लेकिन उनकी चुप्पी और कांग्रेस पार्टी का रवैया दिखाता है कि वे दिल्ली चुनाव को गंभीरता से नहीं लड़ रहे। जनता इस बार उन्हें करारा जवाब देगी।'

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि 25 जनवरी को आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल झारखंड को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 एवं विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों को माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाना है। कुमार आर्यभट्ट सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण के क्रम में उक्त बातें कहीं। के. रवि कुमार ने पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निदेश दिया । उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अन्य जिलों के उपायुक्त, पदाधिकारी एवं बीएलओ भी सम्मिलित होंगे। निर्वाचन में बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया जाना है। उनके आने जाने एवं ठहरने की व्यवस्था को पूर्ण कर लिया जाए। कार्यक्रम में कॉलेज एवं एनएसएस के बच्चे, नए मतदाता, वृद्धि मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता आदि भी सम्मिलित होंगे उन सब के लिए पेयजल, शौचालय एवं भोजन आदि की व्यवस्था का पदाधिकारी विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि कार्यक्रम में लोगों को निर्वाचन के दौरान हुए कार्यों एवं बीएलओ के प्रयासों से अवगत कराने के उद्देश्य से वीडियो, बैनर आदि का डिस्प्ले किया जाए साथ ही सम्मानित होने वाले पदाधिकारियों, कर्मियों एवं बीएलओ के स्वागत की भी व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर रांची जिले के उपायुक्त मंजू नाथ भजंत्री, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, रांची जिले के उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित रांची यूनिवर्सिटी के पदाधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर प्रस्तुति देने वाली झारखंड की टीम का रक्षा राज्य मंत्री ने आवास पर किया अभिनंदन

रांची/नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय आयोजन में प्रस्तुति देने वाले झारखंड से जुड़े टीम के कलाकारों और युवाओं का रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने नई दिल्ली स्थित आवास पर अभिनंदन किया। इस दौरान झारखंड से जुड़े कलाकारों व युवाओं, बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियां भी दी। प्रस्तुति के क्रम में कलाकारों ने छऊ, पाइका, झूमर, मुंडारी, उरांव, संथाली से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा इस कार्यक्रम में कस्तूरबा विद्यालय पटमदा की बेटियों का भी अभिनंदन किया गया, जो गणतंत्र दिवस के दिन मुख्य मंच के सामने बैंड की प्रस्तुति देंगी। इस कार्यक्रम का संचालन एनसीसी के युवाओं ने किया। इस अभिनंदन कार्यक्रम में झारखंड के सांस्कृतिक क्षेत्र, एनसीसी सहित अन्य क्षेत्र की युवा टीम शामिल हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने कहा कि यह मेरे लिए गौरव का विषय है कि झारखंड की अस्मिता को वैश्विक पटल पर ले जाने वाली इस टीम का अभिनंदन कर रहा हूं। आपकी यह प्रस्तुतियां नई दिल्ली में झारखंड की अमिट छाप छोड़ने वाली है। श्री सेठ ने कहा कि भारतीय गणतंत्र दिवस के 75वें वर्षगांठ पर नई दिल्ली में आप सब विकसित भारत के लक्ष्य को अपनी सांस्कृतिक, वैचारिक और ऐतिहासिक समृद्धि के साथ पूर्ण करने को संकल्पित दिख रहे हैं। झारखंड सांस्कृतिक, ऐतिहासिक धरोहर, वीरता, शौर्य जैसे विषयों से हमेशा से समृद्ध रहा है। राष्ट्रीय पटल पर झारखंड की प्रस्तुतियां न सिर्फ भारत देखेगा बल्कि पूरी दुनिया देखेगी। संजय सेठ ने कहा किया यह एक ऐसा अवसर है जब झारखंड के युवा भारतीय गणतंत्र के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में विकसित भारत को पूर्ण करने का संकल्प ले रहे हैं। इस अवसर पर बुलंदशहर के सांसद भोला सिंह, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा, विधायक नागेंद्र महतो, भाजपा कार्यालय सचिव शिवशक्ति नाथ बक्शी, पूर्व विधायक जीतू चरण राम सहित झारखंड से जुड़े कई अधिकारी व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा सुभाषचंद्र बोस ने बुलंद किया

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 127 वीं जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि देश की स्वाधीनता के लिए जिसे जो मार्ग सूझा, उसने वही अपनाया । सुभाषचंद्र बोस कांग्रेस के चोटी के नेताओं में से थे । तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा बुलंद कर उनमें स्फूर्ति भरी । चलो दिल्ली का लक्ष्य रखा और भारत की सीमा तक आजाद हिन्द फौज की सफलता गूंज उठी और अंग्रेजी सत्ता कांप उठी । प्रचंड जनसमर्थन आजाद हिन्द फौज के पक्ष में देखकर परकीय सत्ता को भी पुनर्विचार के लिए बाध्य होना पड़ा । देश की आज़ादी के क्षण इस कुशल नेतृत्व के कारण और भी निकट आ गए । नेताजी स्वाधीन भारत में सशरीर नही आ सके तो किया हुआ, देश का बच्चा बच्चा उनके ' जय हिन्द ' के घोष से उनकी स्मृति आज भी हृदय में ताजा लिए हुए है । कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष आबिद अंसारी महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत वरिष्ठ कांग्रेसी अशोक देव जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, राजू चौरसिया, नरेश गुप्ता, साजिद अली खान, कजरु साव, सलीम रजा, ललितेश्वर प्रसाद चौधरी, दिलीप कुमार रवि, कृष्णा किशोर प्रसाद, गुड्डु सिंह, परवेज अहमद, सदरूल होदा, लखराज सिंह, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, लाल बिहारी सिंह, चन्द्र शेखर आजाद, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी, रियाजउद्दिन अंसारी, भैया असीम कुमार, राशिद खान, उदय पाण्डेय, सैयद अशरफ अली, बाबू खान, कौशल कुमार सिंह के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे ।

झारखंड पुलिस ने सुनी 2049 लोगों की फरियाद

रांची : झारखंड पुलिस के जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में कुल 2049 फरियादियों ने अपनी फरियाद पुलिस अधिकारियों को सुनायी। इनमें रांची में 292, खूंटी में 28, सिमडेगा में 30, लोहरदगा में 42, गुमला में 104, रामगढ़ में 41, हजारीबाग में 76, चतरा में 47, कोडरमा में 71, गिरिडीह 99, बोकारो में 69, धनबाद में 219, लातेहार में 178, पलामू में 87, गढ़वा में 141, दुमका में 58, जामताड़ा में 56, पाकुड़ में 26, साहेबगंज में 156, देवघर में 18, गोड्डा में 69, चाईबासा में 21, जमशेदपुर में 60, सरायकेला में 63 फरियादें मिली हैं। झारखंड के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर DGP अनुराग गुप्ता की देखरेख में बुधवार को राज्य के सभी जिलों में "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" आयोजित किया गया। इस दौरान राज्य के 24 जिलों में कुल 83 केंद्र बनाये गये थे। झारखंड के महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता को थाने में पहुंचने पर तत्काल सहज रूप से समस्याओं का समाधान उपलब्ध हो सके। आम जनता और पुलिस की बीच विश्वास को मजबूत किया जा सके। आम जनता और पुलिस के बीच की दूरी को पूरी तरह से मिटाने के मकसद से राज्य में एक साथ "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं को सुनने और उसका समाधान करने के लिये एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस एवं अन्य अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भूमिका निभाई। कार्यक्रम की सफलता को सुनिश्चित करने एवं शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय के स्तर से पुलिस पदाधिकारियों को विभिन्न जिलो में निगरानी के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।

चाईबासा की टीम ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम) पश्चिमी सिंहभूम में खेली जा रही 9वीं अशोक कुमार जैन जिला नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे क्वार्टर फाइनल में एमसीसी क्लब चाईबासा ने शानदार प्रदर्शन किया। बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एमसीसी ने चक्रधरपुर क्रिकेट अकादमी को 90 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमसीसी ने 30 ओवर में 9 विकेट खोकर 279 रन बनाए। टीम की ओर से शिवम कुमार ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कप्तान अनुराग संजय ने 8 चौके और एक छक्के की मदद से 45 रन की पारी खेली। अन्य योगदान करने वालों में ललित बी. सिंह (35), जयप्रकाश राजपूत (34), कुमार करण (32) और तन्मय तंतुबाई (29 नाबाद) शामिल रहे। चक्रधरपुर की गेंदबाजी में सुमित शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि आशीष कुमार सिंह, गौरव सिंह और सनोज कुमार ने 2-2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चक्रधरपुर की टीम 30 ओवर में 8 विकेट खोकर 189 रन ही बना सकी। टीम की ओर से विश्वजीत सिंह ने 38 गेंदों पर 4 चौके और 6 छक्कों की मदद से 66 रनों की आक्रामक पारी खेली। सनोज कुमार ने 27, शुभोदीप मुखर्जी ने नाबाद 22, आशीष कुमार सिंह ने 20 और सुमित शर्मा ने 18 रन बनाए, लेकिन यह प्रयास जीत के लिए पर्याप्त नहीं था।

रांची के मैन रोड मे एक साथ 5 गाड़ियां एक दूसरे से टकराई!, कई कार छतिग्रस्त

रांची : रांची के चुटिया थाना अंतर्गत रांची मेंन रोड सुजाता चौक रिलायंस मार्केट के बीच मे एक साथ कई गाड़ियां आपस में टकराई, इसके बाद सड़क पर अफरा तफरी मच गई और भारी जाम लग गया। तीन वाहन जो क्षतिग्रस्त रूप में सड़क के किनारे खड़ी देखी गई उसकी तस्वीर इस खबर के साथ शेयर की जा रही है। बाकी वहां उपस्थित लोगों ने कहा कि दो और गाड़ियां भी इस दुर्घटना में टकराई थी जो चली गई। चुटिया थाना पुलिस मौके पर मौजूद हो चुकी थी और आगे की कार्रवाई करते हुए सभी गाड़ियों को चुटिया थाना में ले जाने की तैयारी कर रही थी। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक मेहरून लाल रंग की कार जो सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुई है उसमें बायोम इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर पंकज सिंह खुद मौजूद दिख।

झारखंड पेज पर लगेगा ग्रामीणों की जागरूकता से नष्ट हुई अफीम की अवैध खेती

पलामू। मनातू थाना क्षेत्र सिलदाग और अप्ति गांव के जागरूक ग्रामीणों ने एक बार फिर सामुदायिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दिया। ग्रामीणों को सूचना मिली थी कि उनके क्षेत्र में कुछ एकड़ में अफीम की अवैध खेती की जा रही है। इस पर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित किया और स्वयं ही खेतों में जाकर इस अवैध खेती को नष्ट कर दिया। ग्रामीणों की इस पहल को पुलिस प्रशासन ने सराहा और उनकी हर संभव मदद की। पुलिस अधीक्षक महोदया ने ग्रामीणों की इस जागरूकता और तत्परता की प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "यदि हर ग्रामीण अपने क्षेत्र में इस प्रकार की जागरूकता दिखाए, तो अफीम जैसी अवैध गतिविधियों को जड़ से खत्म किया जा सकता है।" गौरतलब है कि कुछ महीने पहले भी इसी क्षेत्र में पुलिस द्वारा अफीम की खेती को नष्ट किया गया था और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई थी। इसके साथ ही ग्रामीणों को अफीम की खेती के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया था। इस जागरूकता अभियान का परिणाम यह है कि अब ग्रामीण स्वयं इस दिशा में कदम उठा रहे हैं और अपने क्षेत्र को नशे के काले कारोबार से मुक्त रखने का संकल्प ले रहे हैं। गुरुवार को सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने तुरंत एकजुट होकर खेतों में पहुंचकर अफीम की खेती को नष्ट किया। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर इस कार्य में सहयोग किया। एसपी महोदया ने ग्रामीणों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह की जागरूकता और सामूहिक प्रयास से न केवल समाज में सुधार होगा, बल्कि अवैध गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा। पुलिस प्रशासन की अपीलः पुलिस प्रशासन सभी ग्रामीणों से अपील करता है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की अवैध गतिविधि हो रही हो, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। जागरूकता और एकजुटता से ही समाज को बेहतर और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

झारखंड पेज पर लगेगा यंग बॉयज क्रिकेट क्लब 5 विकेट से जीता

साहिबगंज। ज़िला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में गुरुवार को यंग बॉयज सीसी बनाम द न्यूबीज के बीच मैच खेला गया। द न्यूबीज ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 141 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सुमन कुमार ने 52, शहनवाज़ ने 17, नवीन ने 11, समीर कुरैशी ने 35 व आदित्य ने 10 रनों की पारी खेली। यंग बॉयज क्रिकेट क्लब के गेंदबाज दीपक ने 2, पवन ने 2, कुश तिवारी, रजनीश आनंद, शत्रुघन यादव, श्याम रंजन तिवारी ने 1-1 विकेट लिया। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी यंग बॉयज क्रिकेट क्लब की टीम ने 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 143 रन बना कर 5 विकेट से मैच जीत लिया। पवन ने 13, सुमन कुमार ने 14, कुश तिवारी ने 51, दीपक ने 21, सन्नी कुमार ने 10 रन बनाए। दी न्यूबीज के गेंदबाज सुमन राज ने 2, रवि, पीयूष व शहनवाज ने 1-1 विकेट लिया। यंग बॉयज क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी कुश तिवारी को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि सीनियर क्रिकेटर सतीश सिन्हा ने कुश तिवारी को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग राकेश कुमार रोशन व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग सागर सुमन ने किया। मौके पर टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, सतीश सिन्हा, ग़ोपाल सिंह, राकेश कुमार रोशन, मो जुनैद, आदित्य ज्ञान व अन्य मौजूद थे।

भाभी ने रची साजिश और 3 लाख में किलर से करा दी देवर की हत्या, खुद खोला था हत्यारों के लिए गेट

बोकारोः बोकारो पुलिस ने हजारीबाग DC ऑफिस में काम करने वाले पिंटू कुमार नायक की हत्या का पर्दाफाश कर दिया है। 12 जनवरी को पिंटू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की साजिश उसकी भाभी सुनीता देवी ने रची थी। उसने 3 लाख रुपये की सुपारी देकर अपनी बहन के बेटे से यह काम करवाया। पुलिस ने सुनीता देवी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह जमीन का मिला मुआवजा बताया जा रहा है। पिंटू कुमार नायक हजारीबाग DC ऑफिस के जिला कोषागार में लेखा सहायक थे। उन्हें यह नौकरी लगभग डेढ़ साल पहले ही मिली थी। 12 जनवरी की रात बोकारो के कसमार स्थित उनके पैतृक घर में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। पिंटू रात को खाना खाकर सो रहे थे। तभी दो अपराधी छत से सीढ़ी के रास्ते उनके कमरे में घुसे। अपराधियों ने पिंटू के सीने और कनपटी पर गोली मार दी। इसके बाद वे उसी रास्ते से भाग गए। बोकारो SP मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि हाइवे निर्माण के लिए परिवार की जमीन का अधिग्रहण हुआ था। जमीन का मुआवजा पिंटू को मिलने से उसकी भाभी सुनीता देवी खुश नहीं थी। उसे मुआवजे का लालच आ गया था। इसी संपत्ति के विवाद के चलते सुनीता ने अपनी बहन के बेटे छोटेलाल नायक उर्फ छोटू उर्फ भोलू को पिंटू की हत्या की सुपारी दी थी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 128 वां जयंती मनाई

धनबाद । नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 128 वां जयंती के शुभ अवसर पर गोविन्दपुर स्थित रतनपुर भाकपा माले कार्यालय में नेताजी के फोटो पर माल्यार्पण और पुष्प सुमन अर्पित किया गया जिसकी अध्यक्षता भाकपा माले वरिष्ठ नेता फटिक मंडल ने की जिसमे मुख्य रूप से माले युवा नेता जयजीत मुख़र्जी,अभिजीत सिंह, लाल मोहन महतो, सोनू शर्मा, जमशेद अंसारी, लालू बिस्टू, सुनील रजक, माधव रुज, पंकज कुमार, राजू सेन आदि उपस्थित थे।

जल्द से जल्द टेंपू के सभी तरह के पेपर दुरुस्त कर ले - डीटीओ, बोकारो

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बालीडीह टॉल प्लाजा परिसर में आज दिनांक 23 जनवरी, 2025 दिन गुरुवार को निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह जांच शिविर 35वे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित किया गया है। यह शिविर बढ़ते सड़क दुर्घटना को देखते हुए उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देश पर लगाया गया है। इस जांच शिविर में कुल 412 लोगों का नेत्र जांच सहित अन्य स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही शिविर में आने वालों को यातायात नियमों का आवश्यक रूप से पालन करने का भी अपील की गई। जांच के दौरान जिन लोगों का ब्लड प्रेशर बढ़ा मिलने पर दवा खाने के साथ ही आराम करने को कहा गया।

शिविर में कुल 412 चालकों सहित अन्य चालकों का जांच की गई- चिकित्सक डॉ राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यह नेत्र जांच व अन्य स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में कुल 412 चालकों एवं सहचालकों सहित अन्य लोगों की जांच की गई। इस कार्य में डॉ प्रेमशंकर कुमार, डॉ विवेक कुमार ने सहयोग किया। यह जांच शिविर परिवहन विभाग एवं सिविल सर्जन बोकारो के द्वारा सड़क सुरक्षा माह के तहत नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बस, टोटो, ऑटो चालकों के आंखों की जांच की जा रही हैं।

जल्द से जल्द टेंपू के सभी तरह के पेपर दुरुस्त कर ले- जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर ने बताया कि अगले सप्ताह से तीन पहिया वाहनों सहित उनके चालकों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। इसके तहत सभी तीन पहिया वाहनों का सभी तरह के कागज (जैसे रजिस्ट्रेशन, पॉल्यूशन एवं गाड़ी का बीमा) को दुरुस्त करते हुए सभी अपने अपने तीन पहिया वाहनों के दाहिने साइड में रड लगाना अनिवार्य है। इसके साथ ही सभी चालकों को वाहन चलाने हेतु लाइसेंस रखना भी जरूरी है। उन्होंने आगे बताया कि सभी तीन पहिया वाहन चालकों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दोनों अनुमंडल क्षेत्रों में लगाया जाएगा। साथ ही उन्होंने सभी वाहन चालकों से अनुरोध किया कि आप सभी जल्द से जल्द टेंपू के सभी तरह के पेपर दुरुस्त कर ले नहीं तो अगले सप्ताह से चालान किया जाएगा। चालान जमा नहीं करने पर उक्त टेंपू मालिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी, 2025 तक मनाया जा जाएगा, जिसमें परिवहन विभाग के द्वारा विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक यातायात विद्या शंकर, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक गोविंद सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

ताज हुसैन को घसीट कर जेल में डाले पुलिस : रंगनाथ महतो

गिरिडीह। गिरिडीह जिला अंतर्गत पीरटांड़ थाना क्षेत्र के चिरकीडीह गांव की एक संथाल जनजाति लड़की पूजा हेंब्रम को उसी गांव के ताज हुसैन पिता - इजहार अंसारी के द्वारा पूजा हेंब्रम एवं उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर, धर्म परिवर्तन कर शादी करने के लिए दबाव बनाने की घटना को बजरंग दल झारखंड प्रांत के प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने संज्ञान में लेकर एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि यदि चिरकीडीह मुस्लिम टोला के ताज हुसैन को गिरिडीह जिला प्रशासन शीघ्र गिरफ्तार कर उस पर संगीन धाराएं लगाकर कानूनी कार्रवाई नहीं करती है तो बजरंग दल के हिन्दू नवजवान समस्त हिन्दू समाज को साथ लेकर सड़कों पर उतरने को बाध्य होंगे और इसकी सारी जिम्मेवारी गिरिडीह जिला प्रशासन की होगी। आगे प्रान्त संयोजक रंगनाथ महतो ने यह भी कहा कि झारखंड में छल, बल, लोभ, लालच, प्रलोभन एवं किसी को डरा धमका कर धर्मांतरण करना "झारखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम - 2017" का खुला उल्लंघन है। और कानून तोड़ने वाले को यदि प्रशासन संरक्षण या सहयोग देने का कार्य करेगी तो बजरंग दल भी अब हाथ बांधे चुप बैठने वाला नहीं है। आगे उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि अभी तक इस घटना के खिलाफ एक भी आदिवासी नेता का बयान नहीं आना दुःखद है। ऐसे नेता चंद वोटों की खातिर अपने ही समाज की बहन, बेटी, बहु एवं संस्कृति की आबरू तार-तार करवाने से पीछे नहीं हटते।

राज्य सरकार 552 मदरसा बोर्ड को जल्द चालू करे : बलियावी

जामताड़ा बिहार के पूर्व राज्यसभा सांसद और कौमी इत्तेहाद मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना गुलाम रसूल बलियावी गुरुवार को जामताड़ा पहुंचे। समाजसेवी सगीर खान, मौलाना सद्दाम अंसारी, डॉ. अब्दुल मन्नान अंसारी, रहीम अंसारी, मुख्तार अंसारी, मन्नान अंसारी सहित कई प्रमुख लोग उनका स्वागत किया। बलियावी ने राज्य सरकार से संथाल परगना क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय के विभिन्न मुद्दों को शीघ्र सुलझाने की अपील की। उन्होंने महागठबंधन की सरकार के पक्ष में अल्पसंख्यकों के समर्थन को महत्व देते हुए इस क्षेत्र में अल्पसंख्यक मंत्रियों हफीजुल हसन और इरफान अंसारी के योगदान की सराहना की। बलियावी ने राज्य सरकार से 552 मदरसा बोर्ड को जल्द से जल्द चालू करने का अनुरोध किया, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो सके। झारखंड में 4000 उर्दू स्कूलों की बंदी पर चिंता व्यक्त करते हुए इन्हें फिर से खोलने की आवश्यकता है, ताकि उर्दू शिक्षा में रुचि रखने वाले बच्चों को शिक्षा मिल सके।

सुभाषचंद्र बोस का स्वतंत्रता आन्दोलन मुक्ति का मार्ग था : आनंद महतो

धनबाद।सिन्दरीः माले कार्यकर्ताओ ने सर्वप्रथम कामरेड आनंद महतो जी का जन्मोत्सव धूमधाम से केक काट कर मनाये और सभी ने कामरेड आनंद महतो जी को दीर्घायु होने की कामना किये। कामरेड आनंद महतो जी ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओ को धन्यवाद ज्ञापन कर खुशी प्रकट किया। सुभाषचंद्र बोस का जन्म दिवस को माले कार्यकर्ताओ ने जोहार झारखंड संकल्प यात्रा के तहत पोलित ब्यूरो सदस्य कामरेड आनंद महतो के नेतृत्व मे विरसा परिसर से सुभाषचंद्र बोस के प्रतिमा तक पैदल यात्रा कर सुभाषचंद्र बोस को पुष्प अर्पित कर नमन किये। माले कार्यकर्ताओ ने भी सुभाषचंद्र बोस को पुष्प अर्पित कर नमन किए । कामरेड आनंद महतो ने अपने संकल्प संवोधन मे कहे कि " सुभाषचंद्र बोस का स्वतंत्रता आन्दोलन मुक्ति का मार्ग था जो विना भेदभाव का था इसमे न कोई धर्म और न जाति का समावेश था परन्तु धर्मनिरपेक्ष विरोधी ताकते इसे कुर्सी की लङाई कहा जो तथ्यहिन था। आज संविधान खतरे मे है, इसकी रक्षा के लिए स्वतंत्रता सेनानी सुभाषचंद्र बोस को याद करना निहायत जरूरी है। " कार्यक्रम सफल आयोजन के लिए निम्नलिखित साथियो ने अहम योगदान दियेः- सुरेश प्रसाद, राजीव मुखर्जी, कृष्णा महतो, विमल कुमार, सुधीर महतो, सुरेश सिंह, जितेन्द्र शर्मा, बिक्की पंडित, मधु दास, राजाराम रजक मुखिया जी, सहदेव सिंह, विरिन्चि महतो, पुरन सिंह, अमर सिंह, मनोज रवानी, सुभाष हासदा, राकेश महतो धूर्व दास, दीपक महतो, बबलू महतो, मंगल महतो, जितु सिंह, प्रकाश महतो सहित सैकङो ने उपस्थिति दर्ज किये।

डीजीएमएस निरीक्षण टीम ने किया दौरा, सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद। डीजीएमएस (खान सुरक्षा महानिदेशालय) की निरीक्षण टीम ने खदान का दौरा किया और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराया गया, जिसके बाद ईसीएल क्षेत्र में हुई खदान दुर्घटना के पीड़ितों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा का वादा लिया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के पालन का संकल्प लिया। सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजन स्थल पर योलनो, पीपीई (निजी सुरक्षा उपकरण), सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व), और उत्खननकर्ताओं के विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनमें सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर स्वागत गीत एवं सुरक्षा गीत प्रस्तुत किए गए, जिससे माहौल में उत्साह और जागरूकता का संचार हुआ। इसके अलावा, सुरक्षा को लेकर कर्मचारियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 15 मिनट का एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें सुरक्षा नियमों के महत्व को दर्शाया गया।

कार्यक्रम में सुरक्षा द्वीप प्रज्वलन किया गया, जो सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में खदान कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदर्शन के लिए पुरस्कार वितरण भी किया गया, जिससे कर्मचारियों का हौसला बढ़ा।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया और भविष्य में सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संबंधित नियमों का ससमय पूर्ण रूप से पालन करने का आग्रह किया- आयकर अधिकारी

बोकारो बोकारो स्टील सिटी अंतर्गत सेक्टर 5 स्थित बोकारो क्लब के कॉन्फ्रेंस हाल में आज दिनांक 23 जनवरी, 2025 दिन गुरुवार को आयकर विभाग की ओर से संस्था, ट्रस्ट आदि करदाताओ को छूट से संबधित नए संशोधनो, केस लॉ आदि के बेहतर स्वैच्छिक अनुपालन के लिए ऑउटरिच सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयकर आयुक्त यामिनी गुप्ता के निर्देश और अपर आयुक्त परिक्षेत्र-2, राँची श्री रंजीत मधुकर के मार्गदर्शन मे आयोजित यह कार्यक्रम आयकर अधिकारी हजारीबाग श्री संजीब कुमार दास की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस दौरान आयकर अधिकारी हजारीबाग संजीब कुमार दास ने आयकर अधिनियम मे हुए संशोधनो तथा सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए निर्णय से पड़ने वाले प्रभावों के बारे मे विस्तार से बताया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ट्रस्ट, चैरिटेबल ट्रस्ट, शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल को आयकर विवरणी दाखिल करने से संबंधित और असुविधाओं का निवारण तथा आयकर छूट मे नए प्रावधानों के बारे मे अवगत करना था तथा आयकर विभाग मे शिकायत को कम करने के साथ साथ संबंधित संस्थाओ को जागरूक किया जा सके।

संबंधित नियमों का ससमय पूर्ण रूप से पालन करने का आग्रह किया

आयकर अधिकारी हजारीबाग संजीब कुमार दास ने सभी ट्रस्टी और संस्था के सदस्यों से संबंधित नियमों का ससमय पूर्ण रूप से पालन करने का आग्रह किया ताकि अनावश्यक परेशानियों से बचा जा सके। कार्यक्रम का संचालन आयकर निरीक्षक श्री सौरभ कुमार तथा श्री धीरज कुमार ने किया।

मौके पर बोकारो आयकर विभाग के आयकर अधिकारी कमलेश सिन्हा, राँची के चार्टर्ड अकाउन्टन्ट राज कुमार, बोकारो के CS राकेश सिन्हा तथा बोकारो के ट्रस्ट तथा संस्थायो के अन्य गण्यमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे।

बीआईटी सिंदरी स्पोर्ट्स क्लब के इंटरब्रांच फ़ुटबॉल और खोखो कंपटीशन का हुआ

धनबाद। बीआईटी सिंदरी के स्पोर्ट्स क्लब की ओर से आयोजित इंटरब्रांच फ़ुटबॉल और खोखो कंपटीशन खेल का समापन हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इंटरब्रांच खोखो कंपटीशन में छात्रा वर्ग में रासायनिक इंजीनियरिंग ने 4 अंक से नागरिक इंजीनियरिंग को पराजित किया खोखो रासायनिक के कप्तान अंजलि कालखो और उपाध्यक्ष कप्तान हर्षिका कुमारी और सिविल की कैप्टन रिया गारी और उपाध्यक्ष कप्तान कोमल कलखो ने भूमिका निभाई, छात्र वर्ग में फ़ुटबॉल खनन इंजीनियरिंग ने धातुकर्म इंजीनियरिंग को 3 अंक से पराजित किया | गुरूवार को BIT सिंदरी के स्पोर्ट्स क्लब द्वारा फैकल्टी सदस्यों के लिए फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित किया गया था | जिसमें दो टीम ने भाग लिया था टीम ए के कप्तान अरविंद सर या टीम बी के कप्तान डॉ अजय ओरांव ने भूमिका निभायी जिसकी शुरुआत 11 बजे हुई और दोनो टीमो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया | जिसमे टीम बी ने टीम ए को परजीत किया |

हमें बच्चों के सेफ सरेंडर की प्रक्रिया को सरल बनाना होगा : दीपिका पांडेय

रांची मोरहाबादी मैदान के पास स्थित ट्राई के सभागार में गुरुवार को संवेदना आभार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिशु संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और इस क्षेत्र में योगदान देने वाले व्यक्तियों व संगठनों को सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य शिशु कल्याण के प्रति समाज की जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था। समारोह का आयोजन पालोना टीम द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री बलबीर दत्त व एडीजी अनिल पालटा मौजूद थे। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पालोना टीम के प्रयास सराहनीय हैं और मुझे गर्व है कि मुझे इस मुहिम का हिस्सा बनने का अवसर मिला। हमें बच्चों के सेफ सरेंडर की प्रक्रिया को सरल बनाना होगा और डॉक्टरों को भी इस मुहिम से जोड़ना होगा। जिससे इस अभियान को सार्थक किया जा सके। पालोना टीम के संरक्षक पद्मश्री बलबीर दत्त ने कहा कि समाज में इस प्रथा को समाप्त करने की जरूरत है। यह घटना समाज में लड़के व लड़कियों के अनुपात को कम कर रहा है। जो लोग प्राकृतिक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, वह समाज को बर्बाद करने का काम कर रहे हैं।

झारखंड बांग्ला संघर्ष समिति ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी का 128वा जयंती मनाया

धनबाद। झारखंड बांग्ला संघर्ष समिति ने जैसी मल्लिक हीरापुर स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी का मूर्ति पर माल्यार्पण कर जयंती मनाया, इससे पहले जैसी मल्लिक दुर्गा मंदिर से उनके यादों में प्रभात फेरी निकाला गया, जिसमें काफी संख्या में महिला पुरुष शामिल थे, इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने वक्तव्य में कहा कि नेताजी के सभी कार्य एवं संघर्ष युवाओं का रगों में एक प्रेरणा बनकर दौड़ रही है, फौलादी इरादे वाले ऐसे महान व्यक्तित्व के लिए कुछ भी असंभव नहीं है, नेताजी ने अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया था,अगर गुलामी के अंधेरे कालखंड में मसाल दिखाकर देश को आजाद करने वाले नेताजी सुभाष बोस नहीं होते तो शायद हमें आजादी पाने को दशकों लग जाते,अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में नेताजी कई बार जेल भी गए, जहां उन्हें कई यातनाओं मैं गुजरना पड़ा था।उनके जीवन आज भी हर भारतीयों के लिए प्रेरणा एवं गर्व का विषय है,जब दुनिया में भारत को सपेरे एवं गरीबों का देश कहा जाता था और महिलाओं के सम्मान और अधिकार पर चर्चा की जाती थी।तब नेताजी ने रानी झांसी रेजिमेंट का गठन कर महिलाओं को अपनी संघर्ष में जोड़ा, इस रेजीमेंट में हर एक जाति हर एक मजहब एवं क्षेत्र के महिलाओं को जगाकर अपने साथ शामिल किया, और उसे आजाद हिंद फौज का नाम दिया गया, नेताजी का धनबाद से लगाओ बहुत गहरा था। इस कारण भारत सरकार एवं रेलवे मंत्रालय से समिति मांग करते हैं कि धनबाद स्टेशन का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस टर्मिनल रखा जाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सचिव राणा चट्टराज , कल्याण भट्टाचार्य,सुशोभन चक्रवर्ती, दिनेश मंडल,कल्याण चक्रवर्ती, जयदीप बनर्जी, रघुनाथ राय, मिंटू दास, प्रदीप सिकदर, सानू चौधरी, समिर सरकार, आदि लोग शामिल थे।

गणतंत्र दिवस का फूल ड्रेस रिहर्सल

बोकारो। शुक्रवार दिनांक 24 जनवरी, 2025 को पूर्वाहन 09:45 बजे गणतंत्र दिवस का फूल ड्रेस रिहर्सल सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में होगा। जिसका निरीक्षण उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज स्वर्गियारी संयुक्त रूप से करेंगे । सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि सादर आमंत्रित हैं।

राज्य में दो साल में 2.07 लाख सरकारी पद घटे, अब 1.59 लाख पद ही खाली

रांची झारखंड में सरकारी नौकरियों के 2.07 लाख स्वीकृत पद घट गए हैं। वित्त विभाग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2022 में कुल स्वीकृत पद 5.33 लाख थे। वर्ष 2023 में यह घटकर 4.66 लाख हो गए। वहीं 2024 के आंकड़ों के मुताबिक यह संख्या घटकर 3.27 लाख पर पहुंच गया। जो स्वीकृत पद घटे हैं, उनमें सबसे अधिक शिक्षा और गृह विभाग के हैं। हालांकि स्वास्थ्य सहित कुछ अन्य विभागों में स्वीकृत पदों की संख्या में बढ़ोतरी भी हुई है। वहीं आंकड़ों के मुताबिक राज्यभर में अब स्वीकृत पदों में से सिर्फ 1.59 लाख पद ही खाली पड़े हैं। विधानसभा में बजट के साथ हर साल फिस्कल पॉलिसी स्ट्रेटजी स्टेटमेंट एंड मीडियम टर्म फिस्कल प्लान पेश होता है। इसमें राज्य के कर्मचारियों और अधिकारियों का स्वीकृत पद और कार्यरत लोगों का ब्योरा रहता है। इसमें वर्ष 2022 में 5.33 लाख और वर्ष 2023 में 4.66 लाख स्वीकृत पदों का विभागवार ब्योरा था।, 2024 में पेश हुए बजट के दौरान स्वीकृत पदों की संख्या घटकर 3.27 लाख हो गई। पद कैसे घट गए, इस पर कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

वित्त विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2022-23 में माध्यमिक शिक्षा विभाग में 82,841 पद स्वीकृत थे, जो 2024-25 में घटकर 17,137 हो गए। यानी 65,704 पद गायब हो गए। वहीं वर्ष 2022-23 में प्राथमिक शिक्षा विभाग में 1,81,706 स्वीकृत पद थे, जो 2024-25 में घटकर 65,187 हो गया। यानी प्राथमिक स्कूलों में ही 1,16,519 स्वीकृत पद गायब हो गए। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग की बात करें तो कुल 1,82,223 पद गायब हैं। **वित्त वर्ष 2022-23 में 3.50 लाख खाली पद थे** राज्य में वित्त वर्ष 2022-23 में 3,50,721 पद खाली थे, जबकि 1,83,016 पदों पर लोग कार्यरत थे। इनमें गृह विभाग में खाली पदों की संख्या 63,572 थी जबकि 76,162 पर लोग कार्यरत थे। इसी तरह प्राथमिक शिक्षा विभाग में 1,81,706 स्वीकृत पदों में से 1,40,024 पद खाली थे। जबकि 2024-25 में कुल स्वीकृत पद 3,26,049 में से 1,58,846 पद खाली पड़े हैं। इनमें स्वास्थ्य विभाग में स्वीकृत 42,302 पदों में से 30,353 पद खाली हैं।

वर्ष 2024-25 में प्रमुख विभागों का हाल

विभाग	स्वीकृत पद	कार्यरत	खाली पद
गृह विभाग	100192	71154	29038
स्वास्थ्य विभाग	42302	11949	30353
प्राथमिक शिक्षा	65187	27027	38160
माध्यमिक शिक्षा	17137	10547	6590
कृषि विभाग	5430	1443	3987
सहकारिता	3222	654	2568
वन पर्यावरण	7581	3206	4375
श्रम नियोजन	4621	865	3756
उद्योग विभाग	2027	308	1719
पशुपालन	3370	1455	1915
झारखंड हाईकोर्ट	2166	1024	1142
राजस्व भूमि सुधार	10804	6195	4609
पथ निर्माण	3585	1649	1936
ग्रामीण विकास	7466	3690	3776
तकनीकी शिक्षा	2154	642	1512
पेयजल स्वच्छता	3096	1713	1383
कल्याण विभाग	4862	1580	3282

वित्त मंत्री बोले... पद कैसे घट गए, इसकी समीक्षा होगी

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद ऐपल को मिला सरकार का यह नोटिस कैसा, किस मामले पर मांगा जवाब?

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईफोन परफॉर्मेंस की समस्याओं के संदर्भ में ऐपल इंक. को नोटिस जारी किया है। नोटिस में आईओएस 18 सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन में तकनीकी समस्याओं पर जवाब मांगा गया है। भारत ऐपल के लिए प्रमुख ग्रोथ मार्केट है और यह नोटिस ऐपल के लिए महत्वपूर्ण है।

नई दिल्लीः उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ऐपल इंक. को नोटिस भेजा है। यह नोटिस iOS 18 सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन में आ रही परफॉर्मेंस समस्याओं के बारे में है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया, 'विभाग ने शिकायतों की जांच के बाद सीसीपीए के जरिये ऐपल को नोटिस जारी किया है। मामले पर जवाब मांगा गया है।' यह नोटिस भारत में ऐपल के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाता है। इसके पहले भी रेगुलेटर दिग्गज अमेरिकी आईटी कंपनी की आलोचना कर चुका है। भारत ऐपल का एक प्रमुख ग्रोथ मार्केट है। कंपनी को यह नोटिस ऐसे समय भेजा गया है जब हाल में डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बने हैं। तकनीकी समस्याओं पर मांगा जवाब

इस नोटिस में ऐपल से सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन में आ रही तकनीकी समस्याओं पर जवाब मांगा गया है। रिपोर्टों के अनुसार, परफॉर्मेंस समस्याओं से जुड़ी शिकायतें राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर मिली हैं। पिछले साल भी केंद्र सरकार ने कुछ ऐपल यूजर्स को चेतावनी जारी की थी। यह चेतावनी दो सॉफ्टवेयर कमजोरियों के कारण थी। इनसे 'अनधिकृत पहुंच, डेटा चोरी या प्रभावित सिस्टम पर हैकर्स का नियंत्रण' का ज्यादा जोखिम था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत आने वाले CERT-In ने एक एडवाइजरी जारी की थी। इसमें बताया गया था कि 'हाई' सीवियरिटी की यह समस्या Intel-आधारित Mac सिस्टम को प्रभावित करती है। इसमें macOS, iOS और iPadOS डिवाइस शामिल हैं। **आईफोन में कई तरह की कमजोरियां** केंद्र ने पहले भी ऐपल उत्पादों, जिनमें आईफोन भी शामिल हैं, में 'कई कमजोरियों' की पहचान की थी। इन कमजोरियों से डिवाइस से संवेदनशील जानकारी लीक हो सकती थी या स्पूफिंग हो सकती थी। पिछले साल ऐपल के सीईओ टिम कुक ने आईफोन की वैश्विक बिक्री में भारत की भूमिका को रेखांकित किया था। हालांकि, पिछले हफ्ते खबर आई कि 2024 की अंतिम तिमाही में ऐपल इंक की ग्लोबल आईफोन बिक्री में 5% की गिरावट आई है। इसका कारण कम अपग्रेड और चीन में प्रतिस्पर्धियों की बढ़ती पैठ थी। 2024 में आईफोन की बाजार हिस्सेदारी भी 18% तक गिर गई। खासतौर से शाओमी और वीवो जैसे चीनी प्रतिद्वंद्वियों के आगे बढ़ने के कारण। यह नोटिस ऐपल के लिए बड़ी चिंता का विषय है।

स्टैंडर्ड पर खरा नहीं उतरा पतंजलि का लाल मिर्च पाउडर, बाबा रामदेव की कंपनी को मिला यह आदेश

एफएसएसएआई ने बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स को आदेश दिया है कि वह अपने बैच नंबर AJD2400012 के लाल मिर्च पाउडर को बाजार से वापस ले ले क्योंकि यह फूड रेगुलेशन 2011 के मानकों पर खरा नहीं उतरा। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में सूचना दी है। गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी गई।

नई दिल्लीः *बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स को एफएसएसएआई ने लाल मिर्च पाउडर वापस लेने का आदेश दिया है। यह आदेश गुरुवार को दिया गया। एक खास बैच का लाल मिर्च पाउडर फूड रेगुलेटर एफएसएसएआई के मानकों पर खरा नहीं उतरा। इसलिए इसे वापस लेने के लिए कहा गया है। यह बैच नंबर AJD2400012 है। एफएसएसएआई (कंटैमिनेंट्स, टॉक्सिन्स एंड रेसिड्यूज) रेगुलेशन 2011 के नियमों का यह पालन नहीं करता है। by Tab एफएसएसएआई ने पतंजलि फूड्स को इस बैच के लाल मिर्च पाउडर को पूरी तरह से बाजार से वापस लेने का निर्देश दिया है। कंपनी ने खुद एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने गुरुवार को बताया कि एफएसएसएआई ने कंपनी को खाद्य सुरक्षा मानदंडों के अनुरूप न होने के कारण पैक किए गए लाल मिर्च पाउडर के एक खास बैच को वापस मंगाने का निर्देश दिया है। रेगुलेटर ने 13 जनवरी को इस संबंध में एक आदेश जारी किया है।* ***नयिमों का नहीं कयिा पालन*** *नियामकीय सूचना में कहा गया है कि रेगुलेटर ने 'खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त पदार्थ और अवशेष) विनियम, 2011 का अनुपालन न करने के कारण पतंजलि फूड्स को बैच संख्या - एजेडी2400012 के शामिल खाद्य (यानी लाल मिर्च पाउडर (पैक) के पूरे बैच को वापस लेने का निर्देश दिया है।' पतंजलि फूड्स बाबा रामदेव के पतंजलि आयुर्वेद समूह की कंपनी है। इसकी स्थापना 1986 में हुई थी। यह भारत की प्रमुख FMCG कंपनियों में से एक है। पहले इसे रुचि सोया के नाम से जाना जाता था। कंपनी खाद्य तेल, खाद्य और एफएमसीजी और पवन ऊर्जा उत्पादन क्षेत्रों में है। पतंजलि रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि जैसे विभिन्न ब्रांडों के तहत उत्पाद बेचती है।* ***कैसा रहा है कंपनी का प्रदर्शन?*** *सितंबर तिमाही में पतंजलि फूड्स का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 21 फीसदी बढ़कर 308.97 करोड़ रुपये रहा था। पिछले साल इसी अवधि में यह 254.53 करोड़ रुपये था। इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कुल आय बढ़कर 8,198.52 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 7,845.79 करोड़ रुपये थी।*

बुलेट ट्रेन की पटरियों पर वंदे भारत ट्रेन फर्राटा भरेंगे, क्यों होगा ऐसा जान लीजिए

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर संचालित खंड में अब यात्रियों के लिए स्मार्ट लॉकर सुविधा शुरू हो गई है। साहिबाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों पर उपलब्ध यह सुविधा ई-कॉमर्स पार्सल रखने के लिए भी उपयोगी है। यात्री विभिन्न साइज के लॉकर्स को यूपीआई भुगतान तरीकों से रेंट पर ले सकते हैं। यह सुविधा नमो भारत कनेक्ट ऐप पर भी जल्द उपलब्ध होगी।

नई दिल्लीः *दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के संचालित सेगमेंट में यात्रियों के लिए अब स्मार्ट लॉकर की सुविधा उपलब्ध है। इसमें यात्री प्रति घंटा की दर पर बेहद कम खर्च से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस क्रम में साहिबाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों पर स्मार्ट लॉकर की सुविधा यात्रियों के लिए आरंभ हो गई है। खास बात यह है कि इन लॉकर्स का उपयोग यात्री अपना सामान रखने के साथ ही ई-कॉमर्स पार्सल मंगवाने के लिए भी कर सकते हैं।*

इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्री को लॉकर पर दी गई डिजिटल स्क्रीन पर अपनी डीटेल डालकर एकाउंट बनाना होगा। इसके बाद यात्री अपनी आवश्यकता के अनुसार लॉकर को रेंट पर ले सकते हैं। स्टेशनों पर यात्री जरूरतों के आधार पर स्मार्ट लॉकर में स्माल, मीडियम और लार्ज और एक्स्ट्रा लार्ज लॉकर की सुविधा उपलब्ध है। इस स्मार्ट लॉकर में एक से 6 घंटों तक की अवधि तक के लिए लॉकर बुक करने का विकल्प दिया गया है। लॉकर बुक करने के लिए समय और लॉकर साइज का चयन करना जरूरी होता है। यात्री अपनी जरूरत के मुताबिक लॉकर का साइज चुन कर लॉकर बुकिंग की प्रक्रिया के लिए आगे बढ़ सकते हैं। यात्री इस सुविधा के लिए भुगतान यूपीआई के जरिए कर सकते हैं। अगर किसी यात्री का सामान लॉकर बुकिंग टाइम से ज्यादा समय तक लॉकर में रहता है तो लॉकर से सामान निकालने के लिए लॉकर के साइज के हिसाब से प्रति घंटा अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना होगा।

नमो भारत कनेक्ट ऐप पर भी उपलब्ध होगी सुविधा *इसके साथ ही जल्द ही इस लॉकर को बुक करने की सुविधा नमो भारत कनेक्ट ऐप पर भी उपलब्ध होगी। इस लॉकर को बुक करने के लिए ऐप में यात्रियों को 'रेंट ए लॉकर' का ऑप्शन दिया जाएगा। इसकी मदद से वे इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इस ऑप्शन पर क्लिक करने के बाद यात्री को उस स्टेशन के नाम और तारीख का चयन करना होगा जहां और जब वह लॉकर बुक करना चाहता है। इसके साथ ही यात्री को यह भी बताना होगा कि लॉकर की सुविधा कितने घंटे के लिए लेना है। इस प्रक्रिया के तहत यात्री को ऐप में यह भी बताना होगा की वह लॉकर की सुविधा का लाभ चयनित तारीख पर किस समय उठाना चाहते हैं।*

इस सुविधा के लिए यात्रियों को स्माल लॉकर के लिए 20 रुपये प्रति घंटा, मीडियम लॉकर के लिए 30 रुपये प्रति घंटा और लार्ज – एक्स्ट्रा लार्ज लॉकर के लिए 40 रुपये प्रति घंटा के हिसाब से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। भुगतान करने बाद लॉकर बुक हो जाएगा। लॉकर के बुक होने पर उपभोक्ता को एक एक्सेस कोड मिलेगा, जिसे लॉकर को खोलने और बंद करने के लिए उपयोग किया जाएगा। लॉकर में सिक्योरिटी के लिए एक्सेस कोड दिया जाएगा ताकि कोई और लॉकर को न खोल सके। इस एक्सेस कोड का उपयोग लॉकर खोलने और बंद करने के लिए सिर्फ एक बार ही किया जा सकेगा। यात्री इस लॉकर में अपना सामान खुद रखने के साथ ही, इसका उपयोग ई-कॉमर्स पार्सल मंगाने के लिए भी कर सकेंगे। अगर यात्री को ई-कॉमर्स पार्सल मंगाना है तो उन्हें अपना एक्सेस कोड और फोन नंबर डिलीवरी पर्सन को बताना होगा। जब डिलीवरी पर्सन स्टेशन में पहुंचेगा तो वहां पार्सल सिक्योरिटी चेक के बाद नमो भारत स्टेशन के कस्टमर केयर बूथ पर पार्सल डिलीवरी की जानकारी देनी होगी। इसके बाद डिलीवरी पर्सन को लॉकर में सामान सखने के लिए अनुमति दी जाएगी और पार्सल को लॉकर में रखने के बाद वह स्टेशन से बाहर आ जाएगा।

OYO ने बनाया 2025 का प्लान, धार्मिक स्थलों पर खोले जाएंगे और ज्यादा होटल, जानें पूरी डिटेल

अफ्रीका के अधिकांश देशों में भीषण गरीबी है। सब-सहारा देशों की हालत तो बहुत खराब है। लेकिन अफ्रीका के सबसे बड़े रईस का ताल्लुक इसी इलाके से है। उसके पास अफ्रीका की सबसे बड़ी ऑयल रिफाइनरी और सब-सहारा की सबसे बड़ी सीमेंट फैक्ट्री है। कौन है अफ्रीका का मुकेश अंबानी...

नई दिल्लीः *एलन मस्क दुनिया और अमेरिका के सबसे बड़े रईस हैं। यूरोप में रईसी में फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट की तूती बोलती है जबकि एशिया के सरताज मुकेश अंबानी हैं। साउथ अमेरिका में ब्राजील के एडुआर्डो सेवरिन सबसे बड़े रईस हैं जबकि ओशिनिया में ऑस्ट्रेलिया की गीना राइनहार्ट का राज है। क्या आप जानते हैं कि अफ्रीका का सबसे बड़ा रईस कौन है? इसका जवाब है अलीको डेंगोटे। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक नाइजीरिया के अरबपति डेंगोटे की नेटवर्थ 27.3 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 74वें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब आर्सेनल के जबरा फैन डेंगोटे की कंपनी Dangote Industries सब-सहारा में सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक है। साथ ही उसके पास अफ्रीका की सबसे बड़ी ऑयल रिफाइनरी भी है। Dangote Industries का मुख्यालय लागोस में है। इसका बिजनस सीमेंट और रिफाइनरी के अलावा चीनी, नमक, तेल, फर्टिलाइजर और पैकेज्ड फूड में भी फैला है। डेंगोटे का सबसे बड़ा एसेट Dangote Oil Refinery है जो अफ्रीका की सबसे बड़ी रिफाइनर है। इसने पिछले साल की शुरुआत में काम करना शुरू किया था। इसकी वैल्यू 20 अरब डॉलर के करीब है और डेंगोटे की इसमें 92.3% हिस्सेदारी है। उसका एक फर्टिलाइजर प्लांट भी है जिससे सालाना 28 लाख टन यूरिया का उत्पादन होता है। Dangote Group की कई कंपनियां नाइजीरियन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड हैं।* ***कहां-कहां फैला है बिजनस*** *नाइजीरिया में सीमेंट उत्पादन का 86% हिस्सा Dangote Cement से आता है। साथ ही डेंगोटे की Dangote Sugar, Nascon Allied Industries और United Bank for Africa में भी हिस्सेदारी है। इसके अलावा उनके पास लागोस में छह रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रॉपर्टीज भी हैं। 1957 में कानो में पैदा हुए डेंगोटे के परदादा ने कोला और मूंगफली की ट्रेडिंग से काफी पैसा बनाया था। डेंगोटे ने आठ साल की उम्र में अपने पिता को खो दिया था। मिस्र की अल-अजहर यूनिवर्सिटी से बिजनस की डिग्री लेने के बाद उन्होंने नाइजीरिया लौटकर सीमेंट बिजनस में हाथ आजमाया। 1981 में उन्होंने Dangote Group की स्थापना की। 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने कई क्षेत्रों में अपने बिजनस को फैलाया। साल 1996 में मैन्यूफैक्चरिंग को स्टडी करने के लिए वह ब्राजील गए और फिर कंपनी का फोकस ट्रेडिंग से मैन्यूफैक्चरिंग पर शिफ्ट हो गया। 1999 में उन्होंने शुगर रिफाइनरीज, आटा मिल और पास्ता फैक्ट्री बनाना शुरू किया।*

ट्रंप के इस मास्टरस्ट्रोक से भरेगी अमेरिका की तिजोरी, मिलेंगे $3.3 ट्रिलियन, समझिए पूरा गणित

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामान पर 1 फरवरी से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ये तीनों देश अमेरिका के सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर हैं। इन देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा को ट्रंप का मास्टर कार्ड माना जा रहा है।

नई दिल्लीः डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है। उन्होंने ऐसे समय सत्ता संभाली है जब देश का कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। ऐसे में ट्रंप का एक दांव देश का खजाना भर सकता है। उन्होंने कनाडा और मेक्सिको से आने वाले सामान पर 1 फरवरी से 25 फीसदी और चीनी माल पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। साथ ही ट्रंप ने चीन से आने वाले कुछ खास सामान पर 60 फीसदी से अधिक टैरिफ लगाने की बात कही है। जानकारों का कहना है कि इससे अमेरिकी के सरकारी खजाने में अगले दस साल में 3.3 ट्रिलियन डॉलर आ सकते हैं। ये तीन देश अमेरिका के सबसे बड़े ट्रेंडिग पार्टनर हैं। टैक्स फाउंडेशन के मुताबिक अमेरिका आने वाले सामान पर 20 फीसदी टैरिफ लगाने से सरकार को सालाना करीब 300 अरब डॉलर मिल सकते हैं। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने कुछ प्रोडक्ट्स टैरिफ लगाया था और जो बाइडन ने इसे काफी हद तक बरकरार रखा। यानी अब मौजूदा टैरिफ के ऊपर टैरिफ लगेगा। अगर प्रतिशत के तौर पर देखें तो यह अमेरिका की जीडीपी का 1.8 फीसदी होगा। अभी अमेरिका की जीडीपी 27.6 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह नए टैरिफ की कॉस्ट 497 अरब डॉलर होगी। सवाल यह उठता है कि क्या टैरिफ से देश में महंगाई नहीं बढ़ेगी? राष्ट्रपति बनते ही एक्शन में ट्रंप, कनाडा-मेक्सिको पर लगेगा 25% टैरिफ, निशाने पर क्यों हैं पड़ोसी? टैरिफ बढ़ने से सामान की कीमत बढ़ जाएगी और इसका बोझ आखिरकार ग्राहकों पर ही पड़ेगा। ट्रंप ने जब पिछली बार टैरिफ लगाया था तो कुछ सामान की कीमत में 4 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। डॉयचे बैंक का कहना है कि अगर कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी टैरिफ बढ़ाया जाता है और इसका 50 फीसदी बोझ ग्राहकों पर डाला जाता है तो महंगाई में 80 बीपीएस की तेजी आ सकती है। अगर 75 फीसदी बोझ ग्राहकों पर डाला जाता है तो महंगाई में 110 बीपीएस का इजाफा होगा। अगर ऐसा हुआ तो इससे फेड के लिए दरों में कटौती करना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिका में अगले 5 से 10 साल में महंगाई के सालाना 3.3 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है जो 2008 के बाद सबसे ज्यादा है। टैरिफ बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि इससे मार्केट में गिरावट आएगी। ट्रंप के पहले कार्यकाल में व्यापक टैरिफ लगाए जाने के बावजूद एसएंडपी 500 इंडेक्स में 70 फीसदी तेजी आई थी। बाइडन के दौर में इसमें 60 फीसदी तेजी आई थी। हालांकि ट्रंप के पहले कार्यकाल में ट्रेड वॉर के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह बात साफ है कि लोगों को इसकी कुछ कीमत चुकानी पड़ेगी। 2018-2023 के बीच टैरिफ लगाने से अमेरिका के प्रत्येक परिवार पर सालाना 250 डॉलर का बोझ पड़ा था।

स्विफ्ट, वैगन-आर, ब्रेजा, ग्रैंड विटारा... महंगी होंगी मारुति की गाड़ियां, कितनी बढ़ जाएगी कीमत?

नई दिल्लीः *देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी की गाड़ियां महंगी होने जा रही हैं। कंपनी ने 1 फरवरी से अपनी गाड़ियों की कीमत में 32,500 तक का इजाफा करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी के कारण उसे कीमत में बढ़ोतरी करनी पड़ी है। मारुति ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी। कंपनी ने हर मॉडल पर यह बढ़ोतरी की है। इससे कंपनी की गाड़ियों की कीमत 1,500 रुपये से 32,500 तक बढ़ जाएगी। सियाज की कीमत में सबसे कम 1,500 रुपये की बढ़ोतरी की गई है जबकि सेलेरियो की कीमत में सबसे अधिक 32,500 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। मारुति सुजुकी ने कहा कि कंपनी ग्राहकों पर कम से कम बोझ डालना चाहती है लेकिन इनपुट लागत में बढ़ोतरी के कारण उसे कीमतें बढ़ानी पड़ रही है। इस बढ़ोतरी के बाद कंपनी की कॉम्पैक्ट कार सेलेरियो की एक्स-शोरूम कीमत में 32,500 की बढ़ोतरी होगी जबकि प्रीमियम मॉडल इनविक्टो 30,000 रुपये तक महंगी हो जाएगी। कंपनी की लोकप्रिय गाड़ी वैगन-आर 15,000 रुपये तक महंगी मिलेगी जबकि स्विफ्ट की कीमत 5,000 बढ़ जाएगी। इसी तरह एसयूवी ब्रेजा और ग्रैंड विटारा में क्रमशः 20,000 और 25,000 का इजाफा होगा।*

कंपनी की एंट्री लेवल छोटी कार Alto K10 की कीमत 19,500 रुपये तक बढ़ जाएगी जबकि S-Presso 5,000 महंगी हो जाएगी। प्रीमियम कॉम्पैक्ट मॉडल बलेनो की कीमत 9,000 तक बढ़ जाएगी जबकि कॉम्पैक्ट एसयूवी Fronx का दाम 5,500 बढ़ जाएगा। इसी तरह कॉम्पैक्ट सेडान Dzire अब 10,000 मंहगी मिलेगी।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए अब देने पड़ेंगे ज्यादा पैसे, नेपाल ने बढ़ाई परमिट

वॉशिंगटन मैं पूरी ईमानदारी से शपथ लेता हूं कि मैं सभी विदेशी और घरेलू दुश्मनों से अमेरिका के संविधान की हिफाजत करूंगा। मैं इसके प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखूंगा।

शपथ लेने के बाद सलामी देते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। इस शपथ के साथ डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के दूसरे ऐसे राष्ट्रपति बन गए, जिन्होंने हारने के बाद व्हाइट हाउस में वापसी की। इससे 4 साल पहले 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में जब राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों का ऐलान होने वाला था, तभी 2 हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ बैरियर तोड़कर घुस आई थी। लोग ट्रम्प की हार को साजिश बता रहे थे और बाइडेन की जीत को रद्द करने की मांग कर रहे थे। अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार था जब किसी राष्ट्रपति के समर्थकों ने संसद भवन पर हमला किया था। हमले का आरोप डोनाल्ड ट्रम्प पर लगा और कहा गया कि उन्हीं ने अपने समर्थकों को ऐसा करने के लिए उकसाया। इस घटना के बाद ट्रम्प का राजनीतिक करियर खत्म माना जाने लगा, लेकिन 4 साल बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर कमला हैरिस को हराया और आज वे दोबारा राष्ट्रपति बन गए हैं। स्टोरी में ट्रम्प की पैदाइश से लेकर पिता की विरासत मिलने और दूसरी बार फिर राष्ट्रपति बनने तक की कहानी...

नाई के पोते हैं ट्रम्प, दादा फ्रेडरिक जर्मनी से भागकर अमेरिका पहुंचे

ट्रम्प के दादा फ्रेडरिक जर्मनी के रहने

ट्रम्प जब वे 4 साल के थे।

वाले थे। जब फ्रेडरिक 8 साल के थे तभी उनके पिता की मौत हो गई। वे बचपन से ही बहुत कमजोर थे, इस वजह से खेती नहीं कर पाते थे। इसके चलते उनकी मां ने उन्हें नाई बनने की ट्रेनिंग दिलाई। लेखिका ग्वेन्डा ब्लेयर ने अपनी किताब 'द ट्रम्प्सः थ्री जेनरेशन्स दैट बिल्ट एन एम्पायर' में लिखा है कि फ्रेडरिक काफी मेहनती थे और सातों दिन काम करते थे। हालांकि, 16 साल की उम्र में ही फ्रेडरिक को अमेरिका भागना पड़ा। दरअसल, उस समय जर्मनी में यह कानून था कि हर शख्स को कम से कम 3 साल के लिए आर्मी में भर्ती होना पड़ेगा। फ्रेडरिक ने इससे डरकर देश छोड़ दिया। वे 10 दिन का सफर तय कर अक्टूबर में न्यूयॉर्क पहुंचे। डोनाल्ड ट्रम्प के दादा ने होटल और शराबखानों से पैसा कमाया था।

डोनाल्ड ट्रम्प के दादा ने होटल और शराबखानों से पैसा कमाया था। अमेरिका आकर फ्रेडरिक ने नाई का काम करना शुरू किया। कुछ पैसे इकठ्ठा कर लेने के बाद उन्होंने अलास्का में खनन के बिजनेस में हाथ आजमाया। उनका यह बिजनेस चल पड़ा। उनकी खदानों से खूब सोना निकला।

फ्रेडरिक कुछ ही सालों में काफी अमीर हो गए। कुछ साल बाद फ्रेडरिक जर्मनी गए और साल 1902 में एलिजाबेथ क्राइस्ट नाम की एक लड़की से शादी की। दोनों बाद में अमेरिका लौट गए। लेकिन एलिजाबेथ को अमेरिका की सर्दी रास नहीं आई। वह बीमार रहने लगीं। पत्नी की हालत देखकर फ्रेडरिक 1904 में फिर जर्मनी चले गए। हालांकि, उनका आना जर्मन सेना के अधिकारियों को पसंद नहीं आया। फ्रेडरिक को देश छोड़ने का आदेश दिया गया। कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि फ्रेडरिक ने जर्मनी में स्टांप से जुड़े कुछ घोटाले किए थे। इससे नाराज होकर बवेरिया के राजा ने उन्हें देश छोड़ने का फरमान सुनाया। फ्रेडरिक अपनी गर्भवती पत्नी और छोटी बेटी को न्यूयॉर्क वापस ले आए। कुछ महीनों बाद, एलिजाबेथ ने डोनाल्ड ट्रम्प के पिता फ्रेड ट्रम्प को जन्म दिया। फ्रेडरिक के तीन बच्चों में डोनाल्ड ट्रम्प के पिता फ्रेड ट्रम्प मंझले थे। उनका जन्म 11 अक्टूबर 1905 को न्यूयॉर्क में हुआ था। पिता के जर्मनी से होने के बावजूद फ्रेड पूरी तरह से अमेरिकी थे और जर्मन भाषा बिल्कुल नहीं जानते थे। उन्होंने अमेरिका में ट्रम्प परिवार की प्रतिष्ठा बनाने में बहुत मेहनत की। फ्रेड में बचपन से ही मेहनत करने की लगन थी। वह स्कूल के बाद रात में कन्स्ट्रक्शन से जुड़े प्लम्बिंग, कारपेंट्री और इलेक्ट्रिक वायरिंग का काम सीखते थे।

इराक ने घटाई लड़कियों की शादी की उम्र, संसद में विवादित कानून पास, जानें शिया और सुन्नी के लिए क्या होगी आयु

इराक की संसद ने उस विवादित संसोधित विधेयक को मंजूरी दे दी है जो लड़कियों की शादी की उम्र को घटाकर 9 साल कर देगा। महिला अधिकार समूहों ने इन कानूनों के पारित होने को भयावह बताया है। देश में शिया और सुन्नी के लिए शादी की अलग-अलग उम्र होगी।

बगदादः इराक की संसद ने मंगलवार को विवादित संशोधित विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसने इस्लामिक देश में बाल विवाह को वैध बना दिया है। दशकों पुराने कानून में संशोधन के बाद अब 9 साल की उम्र की लड़कियों की भी शादी की जा सकती है। इराकी संसद की वेबसाइट पर बताया गया है कि उसने 'व्यक्तिगत स्थिति कानून में संशोधन का प्रस्ताव' और साथ ही 'सामान्य माफी कानून का दूसरा संशोधन' स्वीकार कर लिया है। महिला अधिकार समूहों ने इन कानूनों के पारित होने को भयावह बताया है। उनका कहना है कि यह चाइल्ड रेप को वैध बना देगा। **मौलवियों को दिया गया अधिकार** इराक में महिलाओं के लिए अब तक शादी के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष थी, लेकिन नए संसोधन के बाद मौलवियों को विवाह, तलाक और बच्चों की देखभाल समेत पारिवारिक मामलों पर फैसला लेने का अधिकार दिया गया है। कानून के सबसे प्रमुख विरोधियों से एक वकील मोहम्मद जुमा ने कहा, हम इराक में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के अंत तक पहुंच चुके हैं। इराकी पत्रकार साजा हाशिम ने कहा, यह तथ्य कि महिलाओं के भाग्य फैसला मौलवियों के हाथ है, भयावह है। मुझे एक महिला के रूप में अपने जीवन में आने वाली हर चीज से डर लगता है। **शिया और सुन्नी के लिए अलग उम्र** गॉर्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, इराक में बहुसंख्यक शिया मुसलमानों के लिए लड़कियों की शादी की न्यूनतम आयु 9 वर्ष होगी, जबकि सुन्नी मुस्लिम के लिए यह 15 वर्ष होगी। निर्दलीय सांसद सज्जाद सलीम के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि 'इराकी राज्य ने कभी भी ऐसी गिरावट और अपवित्रता नहीं देखी है, जिसने इराक की संपत्ति और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया हो जैसा कि हम आज देख रहे हैं।' इराक में बाल विवाह एक पुराना मुद्दा रहा है। साल 2023 में आए संयुक्त राष्ट्र सर्वेक्षण में पाया गया था कि देश में 28 प्रतिशत लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले ही हो जाती है। कम उम्र की लड़कियों को गरीबी से बचने के मौके के रूप में शादी की पेशकश की जाती है। कम उम्र में हुई कई शादियां असफल हो जाती हैं, जिससे युवा महिलाओं को जीवन भर दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

ईरान को चीन भेज रहा 1000 टन इजरायल की तबाही का सामान, शिया देश बना सकेगा मिसाइलों का जखीरा

ईरान को अब चीन से मिसाइलों का ईंधन मिलने जा रहा है। चीन 1000 टन सोडियम पर्कलोरेट भेजने जा रहा है जो मिसाइलों के ईंधन का काम करता है। यह केमिकल चीन तब ईरान को दे रहा है जब इजरायल के साथ उसका तनाव चल रहा है। इसको लेकर अमेरिका भड़क सकता है।

तेहरानः इजरायल के साथ मिसाइल युद्ध के बाद अब ईरान ने एक बार फिर से अपने हथियारों का जखीरा बढ़ाना शुरू कर दिया है। ईरान को अपनी इस रणनीति में चीन से बड़ी मदद मिल गई है। चीन 1000 टन सोडियम पर्कलोरेट ईरान के कार्गो जहाज से भेज रहा है जो मिसाइल ईंधन का काम करता है। बताया जा रहा है कि दो जहाजों से चीन ने ईरान को ये केमिकल भेज रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अगले कुछ सप्ताह के अंदर चीन से यह केमिकल ईरान के लिए रवाना हो जाएगा। इस रिपोर्ट में पश्चिमी देशों के खुफिया अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। माना जा रहा है कि इस रिपोर्ट के जरिए चीन और ईरान दोनों को इन जहाजों के बारे में स्पष्ट चेतावनी दी गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के झंडे वाले जहाजों गोल्बोन और जैरान के जरिए इस केमिकल को भेजा जाएगा। इस 1000 टन सोडियम पर्कलोरेट से अमोनियम पर्कलोरेट बनाया जाता है जो मिसाइलों के लिए ईंधन का काम करता है। ईरान को पिछले साल मिसाइल के लिए ईंधन बनाने में बहुत समस्या का सामना करना पड़ा था। इजरायल ने अक्टूबर महीने में ईरान के लंबी दूरी के मिसाइल के फ्यूल बनाने के सामान को तबाह कर दिया था।

ईरान बना सकता है 250 मिसाइलें

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इतने ज्यादा सोडियम पर्कलोरेट से 960 टन अमोनियम पर्कलोरेट बनाया जा सकता है। मिसाइल के ईंधन में 70 फीसदी अमोनियम पर्कलोरेट का इस्तेमाल किया जाता है। इससे करीब 250 खेइबर शेकान या हज कसाम मिसाइलों को बनाया जा सकता है। इस केमिकल को मिसाइल टेक्नॉलजी कंट्रोल प्रशासन के अंतर्गत आता है। ईरान की ये मिसाइलें मध्यम दूरी तक मार करने में सक्षम हैं और सॉलिड फ्यूल से चलती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस केमिकल को ईरानी सेना को भेजा जा रहा है।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए अब देने पड़ेंगे ज्यादा पैसे, नेपाल ने बढ़ाई परमिट फीस

नेपाल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने के लिए जरूरी परमिट में 36 प्रतिशत की वृद्धि की है। इससे पर्यटकों के लिए माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करना अब और अधिक महंगा हो जाएगा। वर्तमान में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए नेपाली और विदेशी नागरिकों के लिए अलग-अलग फीस लगती है।

काठमांडूः नेपाल सरकार ने माउंट एवरेस्ट या माउंट कोमोलांगमा पर चढ़ाई के परमिट शुल्क बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी विदेशियों के लिए चढ़ाई शुल्क 11,000 डॉलर से बढ़ाकर 15,000 डॉलर कर दिया गया, जो 36 प्रतिशत की वृद्धि है। संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अफसर माधव अधिकारी ने कहा, "नई दर 1 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी।" उन्होंने सिन्हुआ को बताया, "इस वसंत में माउंट कोमोलंगमा पर चढ़ने की इच्छा रखने वालों को बढ़ी हुई फीस नहीं देनी होगी।"

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कितना पैसा चुकाना होगा इस बीच, नेपाल और चीन के बीच स्थित दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने की योजना बनाने वालों को पतझड़ के मौसम में 5,500 डॉलर की जगह 7,500 डॉलर का भुगतान करना होगा। सर्दियों और मानसून के मौसम के लिए शुल्क 2,750 डॉलर से बढ़कर 3,750 डॉलर हो गया है। नेपाली पर्वतारोहियों के लिए, शुल्क 75,000 नेपाली रुपये (लगभग 545 डॉलर) से दोगुना होकर 150,000 रुपये (लगभग 1,090 डॉलर) हो गया है। नेपाल ने आखिरी बार 1 जनवरी 2015 को पर्वतारोहण परमिट शुल्क में संशोधन किया था।

माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई क्या है? माउंट एवरेस्ट, जिसे स्थानीय रूप से सागरमाथा या कोमोलंगमा के नाम से जाना जाता है, समुद्र तल से ऊपर पृथ्वी का सबसे ऊंचा पर्वत है। इसकी ऊंचाई (बर्फ की ऊंचाई) 8,848.86 मीटर है, जिसे हाल ही में चीनी और नेपाली अधिकारियों द्वारा 2020 में स्थापित किया गया था। माउंट एवरेस्ट कई पर्वतारोहियों को आकर्षित करता है, जिनमें अत्यधिक अनुभवी पर्वतारोही भी शामिल हैं। इसके दो मुख्य चढ़ाई मार्ग हैं, एक नेपाल में दक्षिण-पूर्व से शिखर तक पहुंचता है (जिसे 'स्टैंडर्ड रूट' के रूप में जाना जाता है) और दूसरा तिब्बत में उत्तर से। स्टैंडर्ड रूट पर चढ़ाई की कोई बड़ी तकनीकी चुनौती नहीं है हालांकि एवरेस्ट में ऊंचाई से होने वाली बीमारी, मौसम और हवा के साथ-साथ हिमस्खलन और खुंबू हिमपात जैसे खतरे भी मौजूद है।

अमेरिका को 600 अरब डॉलर... डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही चहक उठे सऊदी प्रिंस MBS, खोल दिया पूरा खजाना

सऊदी अरब और अमेरिका के बीच रिश्ते फिर से मजबूत होते दिख रहे हैं। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। इस दौरान सऊदी प्रिंस ने 600 अरब डॉलर के निवेश और व्यापार का ऑफर दिया है। माना जा रहा है कि ट्रंप सऊदी जा सकते हैं।

रियादः *अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आते ही सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान खुश हो गए हैं। सऊदी प्रिंस ने ऐलान कर दिया है कि उनका देश अमेरिका में अगले 4 साल में 600 अरब डॉलर का निवेश और व्यापार करने का इच्छुक है। एमबीएस ने यह भी कहा कि अगर मौके ज्यादा मिलें तो यह निवेश इससे भी ज्यादा भी हो सकता है। सऊदी प्रिंस ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की और राष्ट्रपति बनने के लिए उन्हें बधाई दी। सऊदी अरब की सरकारी न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले जो बाइडन के राष्ट्रपति रहने के दौरान प्रिंस से उनके रिश्ते तल्ख बने हुए थे। दोनों के बीच मानवाधिकारों को सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या को लेकर विवाद था। सऊदी प्रिंस ने ट्रंप से कहा कि उनका देश नए प्रशासन के सुधार से पैदा होने वाले अवसरों का फायदा उठाना चाहता है और भागीदारी तथा निवेश करना चाहता है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से अप्रत्याशित समृद्धि आ सकती है। सऊदी एजेंसी ने यह नहीं बताया कि प्रिंस किन सुधारों की बात कर रहे हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल से ही सऊदी अरब और अमेरिका के बीच बहुत करीबी संबंध रहे थे। ट्रंप और सऊदी प्रिंस पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता लाना चाहते थे। साथ ही उनका इरादा आतंकवाद से मिलकर लड़ने का भी है। वाइट हाउस ने अभी इस पूरे मामले पर कोई बयान नहीं दिया है। ट्रंप और क्राउन प्रिंस के बीच यह बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब पश्चिम एशिया में बहुत ही तेजी से बदलाव हो रहा है। सऊदी अरब का प्रतिस्पर्द्धी ईरान इजरायल से उसके और उसके प्रॉक्सी संगठनों हमास और हिज्बुल्ला की जंग के बाद कमजोर पड़ा है। ईरान के करीबी बशर अल असद सीरिया की सत्ता से जा चुके हैं। इसके अलावा गाजा में सीजफायर हो चुका है जिससे हमास और इजरायल के बीच लड़ाई रुक गई है। माना जा रहा है कि इस महाडील का प्रस्ताव देकर सऊदी प्रिंस ट्रंप की सऊदी अरब की यात्रा को सुनिश्चित करना चाहते हैं। साल 2017 में अमेरिका के राष्ट्रपति बने ट्रंप ने सबसे पहले सऊदी अरब की यात्रा की थी। उस समय में भी सऊदी अरब और अमेरिका के बीच बड़ी डील हुई थी जिसमें अरबों डॉलर के हथियार भी शामिल थे। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि वह सऊदी अरब की एक बार फिर से यात्रा करके खुश होंगे, अगर वह 450 अरब डॉलर या 500 अरब डॉलर के हथियार खरीदता है। अब सऊदी प्रिंस ने उन्हें इससे भी ज्यादा 600 अरब डॉलर का ऑफर दे दिया है। माना जा रहा है कि अब ट्रंप की सऊदी यात्रा को मंजूरी मिल सकती है।*

ट्रंप के कार्यक्रम में दिखा पन्नू, 'खालिस्तान जिंदाबाद' के लगाए नारे, क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ने खालिस्तानी आतंकी को दिया था न्योता?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू भी नजर आया। लिबर्टी बॉल के दौरान जब ट्रंप स्टेज पर थे, उस दौरान नीचे भीड़ में खड़े पन्नू ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगाए। ट्रंप के कार्यक्र में पन्नू की मौजूदगी से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

वॉशिंगटनः अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक असामान्य घटनाक्रम हुआ, जब खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया। कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें गुरपतवंत सिंह पन्नू भीड़ के बीच में नारा लगाता दिखाई दे रहा है। वीडियो लिबर्टी बॉल आधिकारिक उद्घाटन समारोह के दौरान का है। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में खालिस्तानी पन्नू के पहुंचने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर भारत विरोधी को कार्यक्रम में एंट्री कैसे मिल गई? **कैसे मिली पन्नू को कार्यक्रम में एंट्री**? WION की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के पन्नू को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया था। उसने कथित तौर पर किसी संपर्क के जरिए अपने लिए टिकट खरीदे थे। वायरल वीडियो में पन्नू अपनी मौजूदगी से यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि वह ट्रंप के कितना करीब है।

कैमरा देखते ही लगाया नारा वीडियो में जब दूसरे लोग अमेरिका के समर्थन में नारे लगा रहे थे, उस दौरान जब कैमरा पन्नू की तरफ घूमा तो उसने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। वीडियो से साफ पता चलता है कि कैमरा उसका ही है, जो उसकी तरफ ही फोकस कर रहा है। खालिस्तीनी पन्नू ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो शेयर किए हैं, उसमें वह 'राष्ट्रपति ट्रंप के आधिकारिक उद्घाटन (द लिबर्टी बॉल) के विशेष अतिथि' होने का दावा करता है।

पन्नू की मौजूदगी पर उठे सवाल ट्रंप के उद्घाटन समारोह में पन्नू की मौजूदगी का वीडियो सामने आने से इंटरनेट पर चिंता पैदा हो गई है। कई सोशल मीडिया यूजर ने इस बात पर निराशा जाहिर की है कि खालिस्तान समर्थक पन्नू को उस कार्यक्रम में जाने की अनुमति दी गई, जहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी दूसरे विश्व नेताओं के साथ मौजूद थे। पन्नू ने भारतीय राजनयिकों को कई बार जान से मारने की धमकी दी है। मेगा इवेंट में उसकी मौजूदगी को लेकर कुछ सोशल मीडिया यूजर ने भारतीय और अमेरिकी सरकारों पर भी सवाल उठाए हैं।

कई चीजें फिल्म की कहानी पर निर्भर करती है: सोनम बाजवा

पंजाबी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस सोनम बाजवा चाहती है कि उनकी और सिंगर, एक्टर एमी विर्क की जोड़ी बॉलीवुड की फेमस जोड़ी शाहरुख खान और काजोल जैसा जादू स्क्रीन पर पैदा करे। सोनम और एमी विर्क की अपकमिंग फिल्म क्रॉस-कल्चरल फिल्म कुड़ी हरियाणा वल दी जल्द रिलीज होने को है। एक्ट्रेस ने एमी विर्क के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा कि जब भी वह दोनों साथ काम करते हैं तो स्क्रीन पर ताजगी आ जाती है। एमी के साथ पुवाड़ा, निक्का जैलदार जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस ने बताया, कई चीजें फिल्म की कहानी पर निर्भर करती है। अगर कहानी और किरदार अलग हैं, तो आप अपने आप ही स्क्रीन पर ताजगी ला पाएंगे। अगर आप शाहरुख और काजोल की जोड़ी को देखें तो दोनों ने एक साथ कई सारी फिल्मों में काम किया है। मुझे नहीं लगता कि दर्शक कभी यह कहेंगे कि शाहरुख और काजोल फिर से वापस आ गए हैं। असल में लोग उनके साथ आने का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि एमी के साथ उनकी जोड़ी शाहरुख और काजोल की जोड़ी से बहुत पीछे है। मुकलावा फेम एक्ट्रेस ने कहा, काश हम भी उनके जैसा कुछ कर पाते, उन्होंने जितना किया है, उसका एक छोटा सा हिस्सा भी हम कर पाएं तो हम बहुत लकी होंगे। उन्होंने कहा, लोग उनकी (सोनम बाजवा और एमी विर्क) जोड़ी को पसंद करते हैं। हमारे प्रशंसकों में भी हमको लेकर उत्साह है। सोनम ने बताया कि वे विषय और कहानी के बारे में सोचते हैं और फिल्म में अपने आप ही ताजगी आ जाती है। एक्ट्रेस ने बताया, हमने कई फिल्मों में काम किया है मगर जो हमने कुड़ी हरियाणे वल दी में किया है वह अलग है। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक है कि अगर किरदार अलग हैं, तो कलाकार भी अलग तरह से काम करेंगे। हरियाणवी जाटनी का डी-ग्लैम लुक निभाने में किसी तरह की हिचकिचाहट के बारे में सोनम ने कहा कि इसमें कोई हिचकिचाहट नहीं है, मुझे इस पर गर्व है कि हमारे देश की लड़कियां कैसी दिखती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, अगर मैं आउटफिट की बात करूं तो सूट पंजाब और हरियाणा दोनों में पहना जाता है। इसके लिए हमने हरियाणा में रहने वाली लड़की से प्रेरणा ली कि वह किस तरह के कपड़े पहनती हैं। बस उसी से हमने यह सब सीखा। उन्होंने कहा कि उन्होंने बहुत सी ऐसी फिल्में की हैं जहां उन्होंने ग्लैमर से हटकर किरदार निभाए हैं, और ऐसे किरदारों की अपनी खूबसूरती होती है। आगे कहा, मुझे सूट पहनना बहुत पसंद है। मुझे ऐसे किरदार निभाने में बहुत मजा आता है क्योंकि इससे आपका ध्यान आपके लुक, हेयरस्टाइल और मेकअप पर नहीं रहता। मुझे बहुत गर्व है कि मैंने ऐसे किरदार निभाए हैं।

आशिका जननी-एआई की कहानी शो में आएंगी नजर

हाई प्रोफाइल टीवी एक्ट्रेस आशिका भाटिया जननी-एआई की कहानी शो में नजर आएंगी। इस बारे में आशिका ने बताया कि उनके लिए एआई रोबोट की तरह एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का नाम चांदनी है। मैं एआई रोबोट हूं, जो इंसानों की तरह लगती है। मेरे लिए रोबोट का एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। मैंने पहले कभी भी ऐसा रोल नहीं किया था, इसलिए मैं इस खास मौके का फायदा उठाना चाहती थी। उन्होंने कहा, खास तौर पर चलते हुए किसी शो में आपको किसी ऐसे व्यक्ति की तरह बर्ताव करना होता है जो पहले से ही सीरीज में है। मेरे लिए किसी और की नकल करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैंने इसे स्वीकार किया। जननी- एआई की कहानी इरा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक वैज्ञानिक से मां बनी है। वह घातक बीमारी से अपनी बेटी की जान बचाने के लिए एआई रोबोट का आविष्कार करती है। एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी- एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आशिका को पिछली बार एंड टीवी पर वाणी रानी शो में देखा गया था। उन्होंने छोटे पर्दे पर मीरा शो में डेब्यू किया था। वह परवरिश – कुछ खट्टी कुछ मीठी में गुणवंत कौर अहलूवालिया के किरदार में नज़र आईं। इसके अलावा, उन्होंने 2015 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म प्रेम रतन धन पायो में सलमान खान की छोटी बहन का किरदार भी निभाया। आशिका ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स के रूप में एंट्री की, लेकिन कुछ ही हफ्तों बाद शो से बाहर आ गईं। शो में आशिका चांदनी के रोल में नजर आएंगी।

लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं: जन्नत जुबैर

एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहा- क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12-13 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे। फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। जन्नत ने भारत का वीर पुत्र – महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया। 2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई। बता दें कि जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी – अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।

टीवी चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा ली थी इमरान की कहानी

हाल ही में एक्टर इमरान खान ने खुलासा किया कि उनकी कहानी को एक टेलीविजन चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा लिया था। एक्टर की माने तो वह 2005 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटे थे, तब वह डायरेक्टर और राइटर बनने की ख्वाहिश रखते थे। लेकिन शुरू में एक्टिंग उनके माइंड में नहीं थी। उन्होंने अपनी कहानियों का एक फोल्डर बनाया और किसी को बताए बिना ही एक टेलीविजन चैनल को प्रस्ताव देने के लिए चले गए। इमरान खान ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को बताया, चैनल ने उनके विचारों की सराहना की, लेकिन उन्होंने फिर कभी उनसे कोई बात नहीं की। फिर एक दिन उनकी एक एक्ट्रेस दोस्त ने बताया कि उन्हें एक ऐसे रोल में कास्ट किया गया है, जिसकी कहानी उनके द्वारा पेश स्क्रिप्ट की रूपरेखा से काफी मिलती-जुलती है। एक्टर ने बताया, मैं उनसे मिलने गया और जब उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट दी, तो उसमें मेरी कहानी की रूपरेखा से काफी समानता थी। इसलिए, उन्होंने मेरी बात मान ली और इसे एक एपिसोड बनाने के लिए विस्तारित किया। मैंने उन लोगों को फोन करके उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे कभी यह पूछने के लिए संपर्क नहीं कर सका कि आप लोगों ने क्या किया? इस एक्सपीरियंस ने न केवल इमरान खान में कुछ बदलाव किया, बल्कि उन्हें अब्बास टायरवाला से भी मिलवाया। एक्टर ने इनके साथ बाद में अपनी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना में काम किया। इमरान खान ने यह सोचकर एक फिल्म के लिए स्क्रीन टेस्ट देने का फैसला किया कि अगर वह एक एक्टर के रूप में सफल होते हैं, तो उनका नाम पहचाना जाएगा।

फिल्म 21 में बतौर नायक अभिनय करेंगे अगस्त्य नंदा

गत वर्ष नवोदित एक्टर अगस्त्य नंदा ने जोया अख्तर निर्देशित फिल्म आर्चीज से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने भी अपने कदम इस फिल्म के जरिये आगे बढ़ाए। लेकिन यह फिल्म इन दोनों बच्चों के लिए कुछ खास न कर सकी। ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई इस फिल्म को दर्शकों ने स्वीकार नहीं किया। असफल शुरूआत की बाद भी अगस्त्य नंदा को निर्देशक श्रीराम राघवन ने अपनी फिल्म 21 में नायक के तौर पर लिया है। इन दिनों अगतस्त्य इसी फिल्म को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। अगस्त्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। बताया जा रहा है कि 21 के लिए राघवन ने पहले वरुण धवन को लेने का मानस बनाया लेकिन किन्हीं परिस्थितियों के चलते यह सम्भव नहीं हो सका और उनके स्थान पर अगस्त्य नंदा को लिया गया। इसमें व्हाइट ब्लेजर पहने अगस्त्य एक ग्रे कलर की कुर्सी पर बैठे हैं और उस पर पीछे 21 लिखा हुआ है। फिल्म में गुजरे जमाने के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत भी खास रोल प्ले कर रहे हैं। फिल्म के निर्देशक श्रीराम राघवन हैं। श्रीराम राघवन ने हिन्दी सिनेमा को बदलापुर और अंधाधुन सरीखी फिल्में देने के साथ ही गद्दार सरीखी थ्रिलर फिल्म दी है। उनकी फिल्म के प्रति दर्शकों का एक अलग रूझान रहता है। इसे दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के तहत बनाया जा रहा है। यह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सैकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित एक बैटल ड्रामा माना जा रहा है। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। बताया जा रहा है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी डेब्यू करने जा रही हैं।

जो चीजें मुझे सही नहीं लगतीं, उन्हें करने से बचता हूं: कार्तिक

हाल ही में बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने एक इंटरव्यू में फेयरनेस क्रीम के एड्स को बंद करने को लेकर बात की। कार्तिक ने कहा- कुछ समय पहले मैंने एक फेस क्रीम का एड किया था, पर फिर मैंने ये करना बंद कर दिया। मैं असल में कन्विन्स नहीं हो पाया। मैंने इस कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू नहीं किया ये सोचकर कि मैं गलत कर रहा हूं। इसी इंटरव्यू में कार्तिक आर्यन ने पान मसाला एड के बारे में भी बात की और कहा कि मुझे काफी बार पान मसाला का एड ऑफर हुआ है। कई ब्रैंड्स ने मुझे अप्रोच किया, लेकिन मैंने इनकार कर दिया। मैं इन चीजों से खुद को रिलेट नहीं करता हूं तो मैं अपने दर्शकों को क्यों परोसूं। मैं कोशिश करता हूं कि जो चीजें मुझे सही नहीं लगतीं, उन्हें करने से मैं बचूं। इसी पर जब कार्तिक से पूछा गया कि बाकी के एक्टर्स तो करते हैं तो कार्तिक ने कहा कि मैं उनके बारे में कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि उनके लिए शायद ये करना सही होगा। मेरे लिए नहीं है। बता दें, सोनू के टीटू की स्वीटी फिल्म के बाद कार्तिक आर्यन ने साल 2018 में फेयरनेस क्रीम का एड किया था। पुरुष गोरे हो सकते हैं, इस बात को कार्तिक ने ये एड करके बढ़ावा दिया था। लोगों के इसपर विवाद करने के बाद कंपनी ने अपनी क्रीम का नाम बदल दिया था और कार्तिक ने भी इससे किनारा कर लिया था। काम की बात करें तो कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर काफी चर्चा में हैं, जिसका वो जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। मालूम हो कि बॉलीवुड इंडस्ट्री के हैंडसम हंक कार्तिक आर्यन इंडस्ट्री के बेहतरीन एक्टर्स में से एक हैं। वह फिल्मों के अलावा एड्स में भी काम कर चुके हैं। कुछ सालों पहले कार्तिक फेयरनेस क्रीम के एड्स में नजर आए थे, लेकिन उन्होंने इन एड्स को करना बंद कर दिया है। यहां तक कि फेयरनेस क्रीम के कॉन्ट्रैक्ट को भी एक्टर ने रीन्यू नहीं किया है।

कभी शाहरुख खान से ज्यादा फीस मिली थी फराह खान को

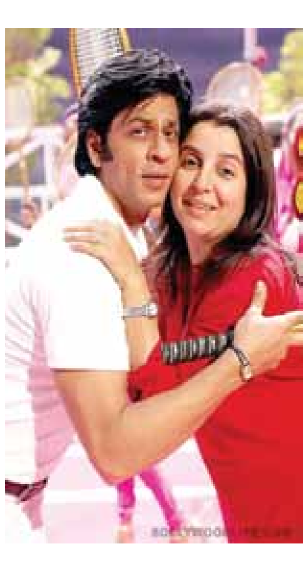

फिल्म कभी हां कभी ना के रिलीज के 30 साल बाद फिल्म की कोरियोग्राफर फराह खान ने एक शॉकिंग खुलासा किया है। कोरियोग्राफर-फिल्म निर्माता फराह खान शाहरुख खान के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए बहुत सारी चटपटी बातों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह शाहरुख खान देखती ही समझ गई थीं उनकी और शाहरुख के बीच बेहद अच्छी बॉन्डिंग बन जाएगी। वे दोनों जल्दी ही एक दूसरे के साथ घुल-मिल जाएंगे। फराह खान ने याद किया कि दोनों पहली बार फिल्म कभी हां कभी ना के सेट पर मिले थे। उन दिनों शाहरुख खान फिल्मों में नए थे और उनके पास पैसे थे इसलिए वे फराह के सहायक के रूप में काम करते थे। फराह ने कहा कि उन्होंने वास्तव में फिल्म में शाहरुख से अधिक पैसा कमाया। शाहरुख के साथ दशकों पुरानी दोस्ती के बारे में पूछे जाने पर फराह ने कहा- हमने 1991 में शूटिंग शुरू की थी और मैं भी नई थी। हम गोवा में थे और मैंने शाहरुख का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वह बहुत ही अकड़ू और घमंडी लग रहे थे। मैं बहुत डर गई थी। मुझे याद है कि जब हम पहली बार मिले थे तो उन्होंने क्या पहना था और क्या कर रहे थे। डायरेक्टर कुंदन शाह ने हमारा परिचय कराया था। कभी-कभी, आप तुरंत किसी से घुल-मिल जाते हैं। आपको ऐसा लगता है कि आप स्कूल के दोस्त हैं। शाहरुख के साथ भी ऐसा ही था। हमारी रुचियां एक जैसी थीं। हमने एक जैसी किताबें पढ़ी थीं, हमारा सेंस ऑफ ह्यूमर भी एक जैसा था। फराह ने बताया कि शाहरुख ने गरीब की शूटिंग के दौरान उनकी काफी मदद की थी। उन्होंने आगे कहा, बजट बहुत कम था। शाहरुख को उस फिल्म के लिए 25,000 रुपये दिए गए थे, मैं आपको बता दूं कि उस फिल्म में मुझे सबसे ज्यादा पैसे मिले थे। मुझे हर गाने के लिए 5,000 रुपये दिए गए थे और उसमें छह गाने थे। बस इसी वजह से मुझे 30,000 रुपये दिए गए थे। हम एक असिस्टेंट भी नहीं रख सकते थे। इसलिए, आना मेरे प्यार को के पूरे गाने के लिए हमने गोवा से ऐसे लोगों को कास्ट किया। फराह ने कहा कि चूंकि एक्स्ट्राज़ को यह नहीं पता था कि संकेत कैसे लेना है या निशान कैसे मारना है, इसलिए शाहरुख़ बारी-बारी से उन्हें चुटकी बजाते थे ताकि वे गाने में दीवार के पीछे से उठ सकें। फराह ने शाहरुख़ को तीन फ़िल्मों में निर्देशित भी किया है – मैं हूँ ना, ओम शांति ओम, और हैप्पी न्यू ईयर। 2000 के दशक के अंत और 2010 के दशक की शुरुआत में कई सालों तक वे एक-दूसरे से बात नहीं करते थे, लेकिन बाद में उनके बीच सुलह हो गई। मालूम हो कि शाहरुख खान की हिट फिल्म कभी हां कभी ना में शाहरुख की जोड़ी एक्ट्रेस सुचित्रा कृष्णमूर्ति संग बनी थी। इस फिल्म का कुंदन शाह ने बनाया था। फिल्म के साथ ही साथ इसके गाने भी काफी फेमस हुए थे। फिल्म का गाना ऐ काश के हम, सच्ची ये कहानी है, दीवाना दिल दीवाना आज भी दर्शकों को काफी पसंद है। यह फिल्म साल 1994 में रिलीज हुई थी।

महान सचिन तेंदुलकर को बूढ़ा कहकर मजाक उड़ाने वाले का सम्मान, ऑस्ट्रेलिया के हॉल ऑफ फेम में शामिल

विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उन्हें सम्मानित किया। उनका महान सचिन को बूढ़ा कहकर मैदान पर स्लेजिंग करना खूब चर्चा में रहा था।

सिडनीः महान सचिन तेंदुलकर शायद उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं, जिनका सम्मान क्रिकेट से जुड़ा हुआ हर व्यक्ति करता है। जब वह खेलते थे तब भी किसी विवाद में नहीं फंसे। हालांकि, कुछ ऐसे खिलाड़ी जरूर रहे, जो मैदान पर उनकी महानता को जानते हुए भी उनसे उलझने की कोशिश करते दिखे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क उनमें से एक हैं। 2004 के दौरान एक मुकाबले में बैटिंग कर रहे सचिन को बूढ़ा कहते हुए मजाक उड़ाने की कोशिश की थी, जिस पर वीरेंद्र सहवाग ने उन्हें करारा जवाब दिया था। उस समय सहवाग ने क्लार्क से उनकी उम्र पूछी और कहा कि जितनी आपकी उम्र है उससे कहीं अधिक सचिन के नाम वनडे और टेस्ट में शतक हैं। खैर, इस बीच माइकल क्लार्क को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया, जिससे वह यह सम्मान पाने वाले 64वें क्रिकेटर बन गए। 43 वर्षीय पूर्व कप्तान का 12 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा। इस दौरान उन्होंने 115 टेस्ट, 245 वनडे और 34 टी20 मैच खेले और 17,000 से अधिक रन बनाए। कप्तान के रूप में क्लार्क ने 47 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया, जिसमें 2013-14 में 5-0 की यादगार एशेज जीत भी शामिल है। उन्होंने संन्यास लेने से कुछ समय पहले 2015 में घरेलू मैदान पर टीम को ऐतिहासिक एकदिवसीय विश्व कप जीत दिलाई। क्लार्क की बल्लेबाजी में 28 टेस्ट शतक शामिल हैं, जो किसी आस्ट्रेलियाई द्वारा बनाया गया छठा सबसे अधिक शतक है। उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में 329 रन की शानदार पारी, बेंगलुरु में 151 रन की पारी, केपटाउन में शानदार 151 रन और फिलिप ह्यूज की दुखद मौत के बाद एडिलेड में खेली गई 128 रन की पारी शामिल है। क्लार्क ने इस सम्मान के बारे में कहा, 'इतने सारे शानदार खिलाड़ियों, आदर्शों, रोल मॉडल के साथ बैठना और बचपन में उनसे प्रेरणा लेना मेरे लिए सम्मान की बात है। रिटायरमेंट आपके लिए बहुत कुछ करता है।' उन्होंने आगे कहा- आजकल क्रिकेट देखने के दौरान आप कुछ हिस्सों को मिस करते हैं।

24 साल के खिलाड़ी ने खोले ड्रेसिंग रूम के वो अंदर के राज, जिनसे गदगद होंगे हेड कोच गौतम गंभीर

भारतीय टीम के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड की धज्जियां उड़ा दीं। युवराज सिंह के शिष्य अभिषेक ने ताबड़तोड़ अंदाज में 79 रन जड़ दिए। भारत के 13वें ओवर में ही मैच जीतने के बाद अभिषेक ने ड्रेसिंग रूम की बातें शेयर की हैं।

कोलकाताः भारतीय टीम जब ऑस्ट्रेलिया में लगातार खराब खेल रही थी तो उसके खिलाड़ी बिखरे-बिखरे से नजर आए। सरफराज खान पर आरोप लगा कि वह मीडिया में खबरें लीक कर रहे हैं, जबकि ड्रेसिंग रूम की बातें अंदर ही रहनी चाहिए। गौतम गंभीर मेलबर्न में हार के बाद ड्रेसिंग रूम में हर किसी को चेतावनी देते नजर आए थे। लीक खबरों में दावा किया गया कि उन्होंने खुलेआम कह दिया था कि नेचुरल गेम खेलने के नाम पर फ्रॉड करना बंद करें और टीम प्लान के अनुसार खेलें। दावा तो यह भी कहा गया था कि अब वह मनमानी नहीं चलने देंगे। जब मीडिया में खबरें आईं तो टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर काफी गुस्से में नजर आए। अब कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डंस स्टेडियम में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। वह भी 43 गेंद रहते मैच खत्म कर लिया। 4 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लेने वाले वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि ताबड़तोड़ पंजाबी ओपनर अभिषेक शर्मा ने 34 गेंदों में 5 चौके और 8 छक्के के दम पर 79 रनों की पारी खेली। इस पारी के बाद उन्होंने ड्रेसिंग रूम की बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि इस तरह का माहौल कभी नहीं देखा।

उन्होंने अपने बयान में कहा- कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर ने मुझे पूरी छूट दी है। मैं उन्हें स्पेशल क्रेडिट देना चाहूंगा। वे जिस अंदाज में युवाओं से बात करते हैं वह बेहद खास है। मैंने कभी इस तरह का माहौल नहीं देखा। जब कोच और कप्तान आपको खुली छूट देते हैं और उनका सपोर्ट मिलता है तो यह स्पेशल होता है। 24 साल के अभिषेक शर्मा से मिले इस प्रोत्साहन ने कम से कम ड्रेसिंग रूम के शानदार माहौल को दर्शाया। हेड को गौतम गंभीर के लिए यह थोड़ा अच्छा महसूस करने वाला होगा। वह ड्रेसिंग रूम के माहौल को लेकर काफी ट्रोल हुए थे। उन्होंने अपनी बैटिंग को लेकर कहा- यहां मैं सिर्फ खुद को साबित करना चाहता था।

SA20-ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को 52 रन से हराया:एडेन मार्करम ने नाबाद 68 रन बनाए

साउथ अफ्रीका की क्रिकेट लीग SA20 के तीसरे सीजन के 17वें मैच में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को 52 रनों से हरा दिया। बुधवार को सेंट जॉर्ज पार्क में खेले गए मैच में प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। डिफेंडिंग चैंपियन ईस्टर्न केप ने 7 विकेट खोकर 149 रन बनाए, जबकि 150 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी प्रिटोरिया कैपिटल्स 97 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्टर्न केप की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर जैक क्राउली बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। उन्हें जेसन बेहरनडर्फ ने काइल वेरिन के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। ईस्टर्न केप का दूसरा विकेट केवल 9 रन पर ही गिर गया। टॉम एबेल 8 गेंदों पर 6 रन बना कर आउट हो गए। डेविड बेडिंघम भी 14 के स्कोर पर पवेलियन लौट गए।

उन्होंने चौथे विकेट के लिए जॉर्डन हरमन के साथ 37 गेंदों पर 35 रन की साझेदारी की। उन्होंने दूसरी साझेदारी छठे विकेट के लिए मार्को यानसन के साथ 39 रन की। वहीं तीसरी पार्टनरशिप उन्होंने लियाम डॉसन के साथ 26 गेंदों पर 53 रन की। मार्करम ने 55 गेंदों का सामना कर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 2 छक्के जड़े। ईथन बॉश कैपिटल्स के सफल गेंदबाज रहे

ईथन बॉश प्रिटोरिया कैपिटल्स के सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं विल जैक्स ने 3 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। जबकि जेम्स निशम और जेसन बेहरनडर्फ को 1-1 विकेट मिले। ईथन बॉश प्रिटोरिया कैपिटल्स ने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। 150 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी प्रिटोरिया कैपिटल्स की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम पावर प्ले में 4 विकेट खोकर 34 रन ही बना सकी। कैपिटल्स का पहला विकेट दूसरी ही गेंद पर गिर गया। ओपनर विल जैक्स बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। वहीं दूसरे ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज भी 11 रन के स्कोर पर आउट हो गईं। उन्होंने 8 गेंदों का सामना कर 8 रन बनाए।

उसके बाद कप्तान राइली रूसो भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। काइल वेरिन भी 28 के स्कोर पर आउट हो गए। उन्होंने 10 गेंदों का सामना कर 11 रन बनाए। मार्केस एकरमैन ने कीगन लायन कैचेट ने पारी को संभालने की कोशिश की। उनके बीच 5वें विकेट के लिए 35 गेंदों पर 38 रन की पार्टनरशिप हुई। एकरमैन ने 20 गेंदों का सामना कर 25 और लायन ने 27 गेंदों का सामना कर 28 रन बनाए। कैपिटल्स 16.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 97 रन ही बना सकी।

23 करोड़, 19 गेंद, 7 रन... देसी बॉयज के आगे आरसीबी के सूरमाओं ने तो हथियार डाल दिए

आईपीएल 2025 की तैयारी में जुटी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंग्लैंड के फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल को नीलामी में खरीदा था। इन तीनों के लिए भारत दौरे की शुरुआत निराशाजनक रही। सीरीज के पहले मैच में तीनों ने मिलकर 19 गेंदों पर सिर्फ 7 रन बनाए।

नई दिल्लीः आईपीएल 2025 को शुरू होने में अभी करीब दो महीने का समय बचा हुआ है। पिछले साल नवंबर में टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हुई थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इसमें इंग्लैंड के कई बड़े नामों को अपने साथ जोड़ा। विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट पर 11.50 करोड़ की बोली लगाई। ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को 8.75 करोड़ में खरीदा तो 21 साल के जैकब बेथेल 2.60 करोड़ रुपये दे दिए। भारत दौरे पर शुरुआत खराब

इंग्लैंड की टीम भारत के दौरे पर आ गई है। आरसीबी के तीनों इंग्लिश खिलाड़ी टी20 सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरे। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट का खाता तक नहीं खुला। पहले ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने उन्हें पवेलियन भेज दिया। लियाम लिविंगस्टोन का हाल भी कुछ ऐसा ही था। वह वरुण चक्रवर्ती की मिस्ट्री नहीं समझ पाए और दो गेंद पर हो बोल्ड हो गए। उनका भी खाता नहीं खुला। क्रीज पर स्ट्रगल करते रहे बेथेल

जैकब बेथेल को इंग्लैंड क्रिकेट का भविष्य माना जाता है। उनका रिकॉर्ड इंटरनेशनल क्रिकेट में अच्छा लेकिन क्वालिटी स्पिन के सामने उनकी हालत खराब हो गई। रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती के सामने वह एक-एक रन बनाने के लिए तरस रहे थे। हार्दिक पंड्या की गेंद पर आउट होने से पहले उन्होंने 14 बॉल पर सिर्फ 7 रन बनाए। उनकी पारी में एक भी बाउंड्री शामिल नहीं थी। भारत में होने वाले मैचों में स्पिन खेलना बड़ी चुनौती होती है। फिल साल्ट ने पिछले सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन टीम के ज्यादातर मैच फ्लैट विकेट पर हुए थे। लियाम लिविंगस्टोन पंजाब किंग्स का हिस्सा थे। 7 मैच में उन्होंने पिछले सीजन 22 की औसत से सिर्फ 111 रन नबाए थे। इसमें एक भी फिफ्टी शामिल नहीं थी। इसके बाद भी आरसीबी ने उनपर करीब 9 करोड़ की बोली लगा दी।

चेले अभिषेक शर्मा की बैटिंग देखकर गदगद हुए युवराज सिंह, सिक्सर किंग ने यूं जाहिर की अपनी खुशी

भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में 34 गेंदों पर 79 रनों की तूफानी पारी खेली, जिससे भारत ने 13वें ओवर में ही 132 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने इस शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

कोलकाताः भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में तूफानी बैटिंग की। सलामी बल्लेबाज करने उतरे अभिषेक ने शुरुआत में ही काउंटर अटैक कर दिया। इसका नतीजा रहा की इंग्लैंड की गेंदबाजी बैकफुट पर आ गई। भारत को जीत के लिए 132 रनों का लक्ष्य मिला था। टीम ने 13वें ओवर में ही इसे हासिल कर लिया। अभिषेक के बल्ले से सिर्फ 34 गेंदों पर 79 रनों की पारी निकली।

युवराज सिंह ने किया ट्वीट अभिषेक शर्मा को भारत पूर्व दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह ट्रेनिंग देते हैं। इस विस्फोटक पारी के बाद युवराज ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। 2011 वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे युवी ने लिखा, 'सीरीज की अच्छी शुरुआत लड़को! हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और बहुत बढ़िया खेला सर अभिषेक शर्मा, बेहतरीन पारी। मैं प्रभावित हूं कि आपने सामने की तरफ भी 2 बाउंड्री लगाई।' इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी सबसे तेज फिफ्टी

अभिषक शर्मा ने इस मुकाबले में सिर्फ 20 गेंदों पर फिफ्टी पूरी कर ली। यह इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी भारतीय बल्लेबाज की दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। इंग्लैंड के खिलाफ सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है। युवी ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में सिर्फ 12 गेंदों पर फिफ्टी ठोक दी थी। यह आज भी आईसीसी के किसी फुल मेंबर देश के खिलाफ सबसे तेज फिफ्टी है। उसी मैच में युवी ने स्टुअर्ट ब्रॉड को ओवर की सभी 6 गेंदों पर 6 छक्के मारे थे। भारतीय गेंदबाजों का रहा जलवा

वरुण चक्रवर्ती (23 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद अभिषेक शर्मा की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी से भारत ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को सात विकेट से शिकस्त दी। आसान जीत से सीरीज में भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली। कप्तान जोस बटलर (68 रन) के अर्धशतक के बावजूद इंग्लैंड की टीम शुरूआती झटकों से उबर नहीं सकी और 20 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। उसके लिए बटलर के अलावा सिर्फ दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके।

रणजी ट्रॉफी का फेज-2 आज से:इंडियन टीम के 7 स्टार प्लेयर्स उतरेंगे, इनमें रोहित, पंत और जायसवाल जैसे बड़े नाम

आज से रणजी ट्रॉफी 2024-25 का फेज-2 शुरू हो रहा है। इस फेज में 7 भारतीय सितारे अपने-अपने स्टेट्स की टीम के लिए खेलते नजर आएंगे। इनमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, चेतेश्वर पुजारा, रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत जैसे बड़े नाम शामिल हैं। पिछले हफ्ते BCCI ने इंडियन प्लेयर्स का डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना अनिवार्य किया था। रोहित शर्मा 2015 के बाद अब रणजी खेलेंगे, जबकि विकेटकीपर ऋषभ पंत 2018 के बाद इस टूर्नामेंट में उतर रहे हैं। इस स्टोरी में जानिए कौन-सा भारतीय खिलाड़ी किस टीम की ओर से खेलेगा, किसके विरुद्ध खेलेगा। मैच कहां होगा और उस प्लेयर ने आखिरी रणजी मैच कब खेला था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 एवं 1272 खलखटवा टाबू रोड़ पुलिस स्टेशन रांची में मिजय जनरल स्टोर मिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फ़ोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670